PRGI Reg. No. : CTHIN/25/A1911

हिन्दी दैनिक

लोकतंत्र प्रहरी

● वर्ष-01 ● अंक- 218 ● भिलाई, रविवार 08 मार्च 2026 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

लखपति दीदी अभियान

छत्तीसगढ़ की महिलाएं लिख रही समृद्धि की नई कहानी-साय

■ छत्तीसगढ़ की महिलाएं आत्मनिर्भरता और नवाचार से बना रही हैं नई पहचान

रायपुर। संवाददाता

छत्तीसगढ़ की महिलाएं आज आत्मनिर्भरता, मेहनत और नवाचार के बल पर नई पहचान बना रही हैं और हमारी सरकार उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। मुख्यमंत्री श्री साय ने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर रायपुर के इंडोर स्टेडियम में आयोजित 'लखपति दीदी संवाद' कार्यक्रम को संबोधित करते हुए यह बात कही। कार्यक्रम में प्रदेश भर से आई स्व-सहायता समूह की हजारों महिलाएं और लखपति दीदियां उत्साहपूर्वक शामिल हुईं। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि हमारी संस्कृति में नारी को शक्ति का स्वरूप माना गया है और जहां नारी का सम्मान होता है, वहीं देवताओं का निवास होता है। उन्होंने कहा कि पहले महिलाएं घरों तक सीमित रहती थीं, लेकिन आज प्रदेश की महिलाएं स्व सहायता समूहों के माध्यम से आर्थिक रूप से सशक्त हो रही हैं और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि शासन का लक्ष्य लखपति दीदियों को और अधिक सशक्त बनाकर गांव की प्रत्येक महिला को लखपति बनाना और भविष्य में

लखपति ग्राम का निर्माण करना है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर छत्तीसगढ़ में 10 लाख महिलाओं को लखपति दीदी बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है, जिसमें से वर्तमान में लगभग 8 लाख महिलाएं लखपति दीदी बन चुकी हैं। उन्होंने कहा कि अब प्रदेश में 10 लाख से अधिक लखपति दीदी बनाने का लक्ष्य रखा गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार गांवों के लोगों के लिए 18 लाख प्रधानमंत्री आवास स्वीकृत कर चुकी है और इनके निर्माण में बिहान की दीदियां भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। उन्होंने कहा कि महिलाओं के सम्मान और आर्थिक सशक्तिकरण के लिए राज्य सरकार द्वारा महतारी वंदन योजना प्रारंभ की गई है, जिसके तहत लगभग 70 लाख माताओं-बहनों को 24 किश्तों में 15 हजार करोड़ रुपये से अधिक की राशि दी जा चुकी है तथा इस वर्ष के बजट में इसके लिए 8,200 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि लखपति दीदी योजना से प्रदेश की 5 लाख से अधिक महिलाएं आत्मनिर्भर बन चुकी हैं और अब लखपति दीदी भ्रमण योजना शुरू कर उन्हें देश-प्रदेश के व्यावसायिक केंद्रों और शक्ति पीठों का भ्रमण कराया जाएगा।

यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा में 35वीं रैंक प्राप्त करने वाली सुश्री वैभवी अग्रवाल को मुख्यमंत्री ने दी बधाई

संघ लोक सेवा आयोग की सिविल सेवा परीक्षा में 35वीं रैंक प्राप्त करने वाली सुश्री वैभवी अग्रवाल ने आज मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय से राजधानी रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में भेंट की। मुख्यमंत्री श्री साय ने सुश्री वैभवी को मिठाई खिलाकर उनकी इस उल्लेखनीय उपलब्धि पर हार्दिक बधाई और शुभकामनाएँ दीं। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि सुश्री वैभवी अग्रवाल ने अपनी प्रतिभा, कड़ी मेहनत और दृढ़ संकल्प के बल पर यूपीएससी की सिविल सेवा परीक्षा में उत्कृष्ट सफलता प्राप्त कर न केवल अपने परिवार, बल्कि पूरे छत्तीसगढ़ का मान बढ़ाया है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि वैभवी की यह सफलता प्रदेश के युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत है।

भाजपा के चाणक्य ने भेजा बुलावा

बिहार में बढ़ गई हलचल, सम्राट चौधरी बनेंगे बिहार के मुख्यमंत्री

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बिहार के डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी को दिल्ली बुलाया है। सम्राट रविवार को शाह से मिलने पटना से दिल्ली जाएंगे। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के राज्यसभा के लिए नामांकन के बाद बिहार में नए मुख्यमंत्री के नाम को लेकर चर्चा चल रही है। चर्चा है कि अगला मुख्यमंत्री भारतीय जनता पार्टी से होगा। अमित शाह ने सम्राट चौधरी को दिल्ली क्यों बुलाया? इसका कोई साफ कारण सामने नहीं आया है। कयास लगाए जा रहे हैं कि वह नई सरकार बनाने पर चर्चा कर सकते हैं। सम्राट बिहार में नीतीश कुमार की अगुवाई वाली हद्ध

सरकार में नंबर दो की हैसियत रखते हैं। वह राज्य का सबसे अहम माना जाने वाला गृह विभाग भी संभालते हैं, जो पहले नीतीश कुमार के पास था। खबर है कि भाजपा की टॉप लीडरशिप ने संभावित मुख्यमंत्री पर चर्चा शुरू कर दी है। नीतीश कुमार के राज्यसभा सांसद बनने के बाद वह बिहार के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे देंगे। इसके बाद नई सरकार बन सकती है। अगले मुख्यमंत्री के बारे में आने वाले दिनों में घोषणा होने की उम्मीद है। बीजेपी की सहयोगी जनता दल यूनाइटेड के राष्ट्रीय अध्यक्ष और बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने पिछले गुरुवार को पटना में राज्यसभा के लिए अपना नामांकन दाखिल किया। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह भी मौजूद थे। नीतीश ने खुद सोशल मीडिया पोस्ट के ज़रिए अपनी उम्मीदवारी की घोषणा की। नीतीश कुमार ने कहा कि वह अपनी मर्जी से राज्यसभा जा रहे हैं।

गोलीबारी से फिर दहला पंजाब, फॉर्च्यूनर में सवार होकर आए हमलावरों ने सरपंच पर की फायरिंग

मोगा। पंजाब के मोगा जिले के कस्बा बाघा पुराना में शुक्रवार को दिनदहाड़े फायरिंग की सनसनीखेज वारदात सामने आई है। इस हमले में दोहदर गांव के मौजूदा सरपंच हैप्पी गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टर उनकी हालत नाजुक बता रहे हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार, कुछ अज्ञात हमलावर एक फॉर्च्यूनर गाड़ी में आए और उन्होंने सरपंच हैप्पी पर अचानक कई गोलियां चलाईं। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। गोली लगने से सरपंच हैप्पी गंभीर रूप से घायल हो गए।

घुसपैठियों को लेकर राहुल गांधी पर हमला

अमित शाह का एलान जो देश का नागरिक नहीं उसे बाहर करेंगे

देहरादून/ एजेंसी

उत्तराखंड सरकार के चार साल पूरे होने पर आयोजित कार्यक्रम में पहुंचे गृहमंत्री अमित शाह ने पांच लोगों को भारत की नागरिकता के प्रमाणपत्र दिए। वहीं जनसभा को संबोधित करते हुए घुसपैठियों को लेकर अमित शाह ने राहुल गांधी पर हमला किया। केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि जो देश का नागरिक नहीं, उसे बाहर किया जाएगा। गृहमंत्री शाह ने कहा कि घुसपैठ को भारत से बाहर निकालेंगे। केदारनाथ से कन्या कुमारी तक, राहुल बाबा को जितना विरोध करना है करें। उन्हें

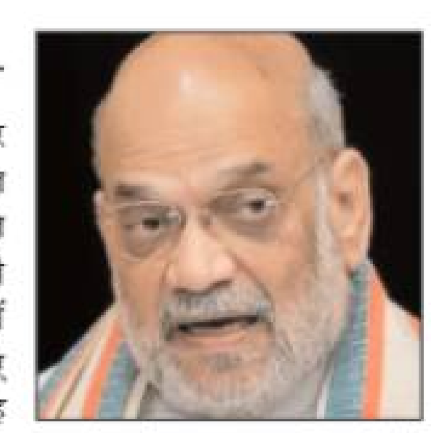

हर चीज में नकारात्मक दिखती है। नौ साल में भाजपा सरकार पर भ्रष्टाचार का आरोप नहीं लगा। हरीश रावत पर भ्रष्टाचार के आरोप लगे। देश से तुष्टिकरण की राजनीति को समाप्त किया। समान नागरिक संहिता कानून को लागू करने वाला उत्तराखंड देश में पहला राज्य है। जनसांख्यकीय में अप्राकृतिक वृद्धि को रोकने का काम यूसीसी करेगा। हाईपावर कमेटी बनाने का निर्णय लिया है। जल्द ही यह कमेटी काम करेंगे। शाह ने कहा कि कांग्रेस से हिसाब मांगना चाहिए। 2014 से 2016 पूंजी निवेश का। एक लाख 87 हजार करोड़ मोदी सरकार ने दिए। 12 हजार करोड़ केदारनाथ बदरीनाथ, गंगोत्री व यमुनोत्री, दिल्ली-देहरादून, 30 राष्ट्रीय राजमार्गों का निर्माण किया। 2009 से 2014 तक राज्य का औसत बजट 187 करोड़ था, नौ साल में भाजपा सरकार ने चार हजार 770 करोड़ का बजट पहुंचा।

पांच महिलाओं की मौत

होली के रंग बनाने वाली फैक्टरी में भीषण आग

सफीदों। होली के रंग बनाने वाली एक फैक्टरी में भीषण आग लग गई। इस हादसे में पांच महिलाओं की झुलसकर मौत हो गई। कई मजदूर गंभीर रूप से झुलस गए। दमकल की कई गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और कई घंटों की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। जानकारी के अनुसार, फैक्टरी में लगभग 30 मजदूर काम कर रहे थे। साथ ही बताया जा रहा है कि गंभीर घायलों को पानीपत सिविल अस्पताल भेजा गया है। वहीं, मजदूरों ने बताया कि हादसे के समय कंपनी में बाहर की तरफताला लगा हुआ था कोई भी मजदूर भागने नहीं पाया। घायलों को दो एंबुलेंस की सहायता से जींद नागरिक अस्पताल लाया गया। पहली एंबुलेंस से तीन घायलों को अस्पताल लाया गया। इनमें सफीदों निवासी रानी (45) पत्नी अनिल कुमार, जगबीर (40) पुत्र चंद्रभान निवासी आदर्श कॉलोनी सफीदों तथा पवन कुमार (30) पुत्र बालवीर निवासी निसंग, जिला करनाल शामिल हैं। वहीं जगबीर और पवन कुमार को भी उपचार के लिए भर्ती किया गया है। इसके अलावा सफीदों से ही कश्मीरी (39) पत्नी लाभ सिंह निवासी शिव कॉलोनी तथा कमलेश (54) पत्नी रमेश निवासी गीता कॉलोनी को भी झुलसने की हालत में नागरिक अस्पताल जींद

पंजाब में सस्ती हुई बिजली, फी यूनिट से ज्यादा खपत करने पर भी बिल आएगा कम

चंडीगढ़। पंजाब सरकार ने राज्य के बिजली उपभोक्ताओं को बड़ी राहत देते हुए बिजली दरों में कटौती का ऐलान किया है। नई दरें 1 अप्रैल 2026 से पूरे पंजाब में लागू होंगी। सरकार के अनुसार घरेलू उपभोक्ताओं के लिए बिजली की दरों में प्रति यूनिट 1.5 रुपये तक कमी की गई है, जिससे लाखों उपभोक्ताओं के बिजली बिल में कमी आएगी। पंजाब सरकार पहले से ही घरेलू उपभोक्ताओं को हर महीने 300 यूनिट मुफ्त बिजली दे रही है। दो महीने के बिलिंग साइकिल के कारण यह सुविधा 600 यूनिट तक मुफ्त हो जाती है। अब नई दरें लागू होने के बाद 600 यूनिट से अधिक बिजली खर्च करने वाले उपभोक्ताओं के बिल में भी पहले की तुलना में कमी आएगी।

ट्रंप का बड़ा ऐलान

अमेरिका चार गुना बढ़ाएगा हथियारों का उत्पादन ईरान बोला-मरते दम तक नहीं करेंगे आत्मसमर्पण

नई दिल्ली। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के साथ बढ़ते युद्ध के बीच बड़ा सैन्य ऐलान किया है। ट्रंप ने अमेरिकी डिफेंस कंपनियों के साथ बैठक के बाद कहा कि अमेरिका अपने हथियारों का उत्पादन चार गुना तक बढ़ाएगा। यह बयान ऐसे समय आया है जब ईरान-इजरायल और अमेरिका के बीच जारी संघर्ष आठवें दिन में प्रवेश कर चुका है और मध्य पूर्व में हालात लगातार तनावपूर्ण बने हुए हैं। यह संघर्ष 28 फरवरी को शुरू हुआ था और पिछले आठ दिनों से दोनों पक्षों के बीच लगातार हमले और जवाबी कार्रवाई हो रही है। रिपोर्ट्स के मुताबिक ईरान ने इजरायल समेत क्षेत्र के 10 से अधिक देशों को निशाना बनाया है, जबकि अमेरिका और इजरायल की ओर से ईरान के कई ठिकानों पर हवाई हमले किए गए हैं। ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'ट्रूथ सोशल' पर पोस्ट करते हुए बताया कि उन्होंने अमेरिका की प्रमुख रक्षा निर्माण कंपनियों के सीईओ के साथ बैठक की। इस बैठक में हथियारों के उत्पादन और सप्लाई शेड्यूल पर चर्चा हुई। ट्रंप के मुताबिक कंपनियां अब उत्तम श्रेणी के हथियारों का उत्पादन चार गुना तक बढ़ाने पर सहमत हो गई हैं ताकि सैन्य जरूरतों को तेजी से

पूरा किया जा सके। ट्रंप ने दावा किया कि अमेरिका के पास मीडियम और अपर-मीडियम ग्रेड के गोला-बारूद की लगभग असीमित आपूर्ति है। उनके अनुसार इन हथियारों का इस्तेमाल फिलहाल ईरान के खिलाफ ऑपरेशनों में किया जा रहा है और हाल ही में वेनेजुएला में भी किया गया था। दूसरी ओर, ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान ने अमेरिका की मांगों को सख्ती से खारिज कर दिया है। ट्रंप ने शुक्रवार को ईरान से बिना शर्त आत्मसमर्पण की मांग की थी। इसके जवाब में पेजेशकियान ने कहा कि अमेरिका का यह सपना कभी पूरा नहीं होगा और ईरान किसी भी कीमत पर आत्मसमर्पण नहीं करेगा। ईरानी राष्ट्रपति ने यह भी कहा कि पड़ोसी देशों पर हमले तब तक नहीं किए जाएंगे जब तक उनकी जमीन का इस्तेमाल ईरान पर हमले के लिए न किया जाए।

संक्षिप्त समाचार

नशामुक्ति केंद्र में दरिंदगी, दवा खाने से किया इनकार तो स्टाफ ने ही लाठियों से पीट-पीटकर मार डाला

सूरत। गुजरात के सूरत शहर से एक बेहद दर्दनाक और इंसानियत को शर्मसार कर देने वाला मामला सामने आया है। जिस नशामुक्ति केंद्र में लोग अपने परिजनों को नई जिंदगी मिलने की आस में छोड़ते हैं, वहीं रक्षक ही भक्षक बन गए। यहाँ इलाज कराने आए एक 32 वर्षीय मरीज को अस्पताल के कर्मचारियों ने ही इतनी बेरहमी से पीटा कि उसकी तड़प-तड़प कर मौत हो गई। इस खौफनाक वारदात ने पूरे शहर में सनसनी फैला दी है और स्वास्थ्य सुविधाओं के नाम पर चल रहे इन केंद्रों की सुरक्षा पर बड़े और गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। पुलिस द्वारा दी गई आधिकारिक जानकारी के मुताबिक, यह रोंगटे खड़े कर देने वाली घटना डुमास इलाके में स्थित 'रीवा व्यसन मुक्ति और पुनर्वास केंद्र' में हुई है। मृतक की पहचान 32 वर्षीय धवल राठौड़ के रूप में हुई है, जिसे इसी साल 28 फरवरी को नशा छुड़ाने के लिए इस रिहैब सेंटर में भर्ती कराया गया था। सहायक पुलिस आयुक्त (एसीपी) श्वेता डेनियल ने बताया कि धवल ने जब केंद्र में दी जा रही दवा खाने से मना किया, तो वहां मौजूद स्टाफ बुरी तरह भड़क गया।

मशहूर रैपर बादशाह के नए गाने ने बढ़ाई मुश्किलें

चंडीगढ़। बॉलीवुड के मशहूर रैपर आदित्य प्रतीक सिंह सिसोदिया उर्फ 'बादशाह' एक बार फिर बड़े विवाद में फंस गए हैं और इस बार मामला सीधा महिला आयोग की चौखट तक पहुंच गया है। हाल ही में रिलीज हुए हरियाणवी लोकगीत 'टटीरी' के रैप वर्जन को लेकर हरियाणा राज्य महिला आयोग ने बेहद सख्त रुख अपनाते हुए बादशाह को समन जारी कर तलब किया है। बादशाह पर आरोप है कि उन्होंने अपने नए म्यूजिक वीडियो में सरकारी स्कूल की यूनिफॉर्म पहने छोटी बच्चियों को बस के ऊपर चढ़ाकर डांस करवाया और उनके हाथों से स्कूल के बैग फिंकवाए हैं। इसके अलावा गाने में इस्तेमाल की गई अभद्र भाषा ने पूरे मामले को और भी ज्यादा गर्मा दिया है। इस पूरे विवाद की जड़ गाने के दृश्य और उसके भद्दे बोल हैं।

नेपाल में जेन-जेड ने रच दिया इतिहास

बालेन शाह ने केपी शर्मा ओली को दी मात फिर जश्न मनाने पर क्यों लगा दी रोक.... ?

नेपाल। राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी के प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार बालेन शाह ने नेपाल के आम चुनाव के नतीजों में बड़ी जीत हासिल की है। बालेन शाह झापा जिले के चुनाव क्षेत्र 5 से विजयी घोषित किए गए हैं। खास बात यह है कि उन्होंने नेपाल के पूर्व प्रधानमंत्री और जाने-माने नेता केपी शर्मा ओली को लगभग 50,000 वोटों के अंतर से हराया। आखिरी वोट नतीजों के मुताबिक, बालेन शाह को कुल 68,348 वोट मिले, जबकि केपी शर्मा ओली को इस चुनाव क्षेत्र में लगभग 18,000 वोट मिले। इस तरह दोनों उम्मीदवारों के बीच लगभग 50,000 वोटों का बड़ा अंतर था और बालेन शाह ने बड़ी जीत हासिल की। चुनाव नतीजों के बाद राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी ने अपने जीतने वाले उम्मीदवारों को एक जरूरी और अहम निर्देश जारी किया है। पार्टी ने अपने सभी चुने हुए उम्मीदवारों को जीत का जुलूस या कोई जश्न मनाने वाला कार्यक्रम न करने का आदेश दिया है। राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी के वाइस प्रेसिडेंट और फेडरल इलेक्शन मैनेजमेंट कमेटी के कोऑर्डिनेटर डीपी आर्यल ने कहा कि हाल के चुनावों में जीतने वाले उम्मीदवारों को तुरंत जश्न मनाने के बजाय अपने काम पर ध्यान देना चाहिए। उन्होंने कहा कि वोटरों द्वारा सौंपी गई जिम्मेदारी को गंभीरता से

लेना चाहिए और यह जश्न मनाने का समय नहीं है। डीपी आर्यल ने यह भी कहा कि यह चुनाव खास हालात में हुआ था और लद्दाड़ ˚ एज ग्रुप के कई नौजवानों और महिलाओं ने अपनी जान दे दी। उन्होंने कहा कि यह दुख अभी तक भुलाया नहीं गया है, इसलिए यह जश्न मनाने के बजाय जिम्मेदारी निभाने का समय है। उन्होंने आगे कहा कि जनता ने भ्रष्टाचार खत्म करने और अच्छा शासन स्थापित करने के मकसद से अपना जनादेश दिया है। इसलिए जीतने वाले उम्मीदवारों की प्राथमिकता वोटरों की उम्मीदों को पूरा करना और बेहतर शासन देना होना चाहिए। आर्यल ने यह भी निर्देश दिया कि पार्टी के जीतने वाले उम्मीदवार फूलों की माला पहनने या मोटरसाइकिल जुलूस निकालने जैसे दिखावटी कार्यक्रमों से बचें। उन्होंने कहा कि कार्उटिंग की जगह पर समर्थकों को सिर्फ नमस्ते करने की इजाजत है।

तृणमूल की महिला इकाई से बोली ममता

गैस की कीमतों में वृद्धि को लेकर प्रदर्शन करे

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शनिवार को कहा कि सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस की महिला शाखा एलपीजी की कीमतों में बढ़ोतरी के विरोध में सड़कों पर प्रदर्शन करेगी। पश्चिम एशिया संघर्ष के कारण बढ़ती ऊर्जा लागत के बीच घरेलू एलपीजी और वाणिज्यिक सिलेंडरों की कीमतों में क्रमश? 60 रुपये और 114.5 रुपये की भारी वृद्धि की गई। मतदाता सूची के विशेष गहन संशोधन (एसआईआर) के दौरान नामों को हटाए जाने के विरोध में अपने धरने के दूसरे

दिन पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए बनर्जी ने कहा कि केंद्र सरकार वैकल्पिक व्यवस्था किए बिना मनमाने ढंग से एलपीजी की कीमतें बढ़ा रही है, जो जनविरोधी तरीका है। उन्होंने कहा, कल अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस है।

CMYK

विधायक निवास कार्यालय में होली मिलन समारोह क्षेत्रवासियों के साथ साझा की पर्व की खुशियां

बेमेतरा। होली के पावन पर्व के अवसर पर बेमेतरा विधायक दीपेश साहू के निवास कार्यालय में आयोजित होली मिलन समारोह अत्यंत हर्षोल्लास, उत्साह और आत्मीयता के वातावरण में संपन्न हुआ। इस अवसर पर विधानसभा क्षेत्र सहित आसपास के कई गांवों से बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता, ग्रामीणजन, युवा, महिलाएँ एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित होकर विधायक दीपेश साहू को होली की शुभकामनाएँ देने पहुँचे। पूरे परिसर में रंग-गुलाल, ढोल-नगाड़ों और पारंपरिक होली गीतों की मधुर धुनों के बीच उत्सव का उल्लास चरम पर दिखाई दिया। उपस्थित लोगों ने एक-दूसरे को रंग लगाकर होली की बधाई दी और प्रेम, भाईचारे तथा सामाजिक समरसता का संदेश दिया। छोटे-बड़े, युवा-वृद्ध सभी ने मिलकर इस पर्व को पूरे उत्साह के साथ मनाया, जिससे वातावरण पूरी तरह से उत्सवमय और आत्मीयता से भर गया। इस अवसर पर विधायक दीपेश साहू ने उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा कि होली का पर्व भारतीय संस्कृति का एक अत्यंत पावन और आनंदमय त्योहार है, जो समाज में प्रेम, सौहार्द, क्षमा और आपसी भाईचारे की भावना को मजबूत करता है। उन्होंने कहा कि होली केवल रंगों का त्योहार नहीं, बल्कि यह हमारे जीवन में सकारात्मकता, उत्साह और नई ऊर्जा का संचार करने वाला पर्व है। यह त्योहार हमें सभी प्रकार के भेदभाव, मनमुटाव और दूरियों को भुलाकर एक-दूसरे के साथ प्रेम और अपनत्व के साथ रहने की प्रेरणा देता है। विधायक दीपेश साहू ने कहा कि हमारे भारतीय त्योहारों की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि वे समाज को जोड़ने का कार्य करते हैं। होली का पर्व भी हमें यही संदेश देता है कि हम अपने जीवन में आपसी सहयोग, सहिष्णुता और समानता के मूल्यों को अपनाएँ तथा समाज में सदभाव और एकता की भावना को मजबूत करें। उन्होंने कहा कि आज के बदलते समय में इस प्रकार के सामूहिक आयोजन समाज को एक सूत्र में पिरोने का कार्य करते हैं और लोगों के बीच संवाद, विश्वास तथा पारिवारिक संबंधों को और अधिक सुदृढ़ बनाते हैं। उन्होंने आगे कहा कि रंगों का यह पर्व हमें यह सीख देता है कि जीवन में चाहे कितनी भी कठिन परिस्थितियाँ क्यों न आएँ, यदि हम सकारात्मक सोच, परस्पर सहयोग और प्रेम की भावना के साथ आगे बढ़ें तो हर चुनौती को अवसर में बदला जा सकता है। होली हमें एक-दूसरे के सुख-दुख में सहभागी बनने और समाज के प्रत्येक व्यक्ति के साथ समान व्यवहार करने की प्रेरणा देती है। कार्यक्रम के दौरान पारंपरिक होली गीत, ढोल-मंजीरे और उत्सवी माहौल ने उपस्थित लोगों को विशेष रूप से आकर्षित किया। महिलाओं और युवाओं की उत्साहपूर्ण सहभागिता ने कार्यक्रम की गरिमा को और बढ़ा दिया।

उपस्थित जनों के लिए स्वल्पाहार की व्यवस्था भी की गई थी, जिसमें सभी ने आत्मीयता के साथ सहभागिता की और देर तक एक-दूसरे से मिलकर होली की शुभकामनाएँ देते रहे। कार्यक्रम के अंत में विधायक दीपेश साहू ने सभी क्षेत्रवासियों, कार्यकर्ताओं एवं शुभचिंतकों को होली की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ देते हुए उनके सुख, समृद्धि और खुशहाली की कामना की। उन्होंने आयोजन में शामिल सभी लोगों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि आप सभी के स्नेह, सहयोग और सहभागिता से ही ऐसे आयोजन सफल, गरिमामय और स्मरणीय बनते हैं।

बेमेतरा मां भद्रकाली महोत्सव मनाने विधायक को दिया गया ज्ञापन

उक्त महोत्सव करवाने विधायक ने दिया पूर्ण आश्वासन

बेमेतरा। बेमेतरा नगर माता भद्रकाली के नाम से जाना जाता है यहां के नागरिकों द्वारा विगत कई वर्षों से यह प्रयास किया जाता रहा कि बेमेतरा की पहचान भारत देश के कोने कोने तक पहुंचे इस हेतु एक मात्र विकल्प है कि बेमेतरा मे मां भद्रकाली महोत्सव करवाना। विधायक कार्यालय पहुंचकर दीपेश साहु विधायक से भेंट मुलाकात किए तथा एक ज्ञापन सौंपि तथा उक्त महोत्सव को ईसी वर्ष नवरात्रि पर्व पर करवाने का निवेदन किये जिसको विधायक ने पूर्ण आश्वस्त किये। ज्ञापन सौंपने वालों में बेमेतरा माता भद्रकाली मंदिर कमेटी के अध्यक्ष छोटू माहेश्वरी एवं अन्य सदस्यों के साथ साथ साहित्यकार एवं कलाकार कल्याण संघ के पदाधिकारियों द्वारा जिसमें अध्यक्ष रामानन्द त्रिपाठी, अनिल माहेश्वरी, डा. गोकुल बंजारे चंदन, फेरूराम साहु, नरोत्तम लाल साहु, सौंखीलाल पोर्ते, महेतरू राम साहु, बंशीलाल साहु, बहोरिक राम साहु, भगवान सिंह ठाकुर, ऋषि ठाकुर, मनोज पाटिल, भुवनदास जांगड़े, लेखराम भारतीय, दुर्गा शंकर चतुर्वेदी सहित बेमेतरा के अन्य प्रबुद्ध लोग उपस्थित रहे।

अस्पतालों में बुनियादी सुविधाओं की उपलब्धता तथा मरीजों के साथ सकारात्मक व्यवहार हो : कलेक्टर

संस्थागत प्रसव में कमजोर प्रदर्शन पर तीन बीएमओ को नोटिस जारी करने के निर्देश

बलौदाबाजार। कलेक्टर कुलदीप शर्मा ने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों की बैठक लेकर विभागीय कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने विभाग द्वारा संचालित योजनाओं की विस्तृत समीक्षा करते हुए अस्पतालों में सभी बुनियादी सुविधा उपलब्ध होने तथा मरीजों के साथ व्यवहार सकारात्मक रखने के निर्देश दिये। इस दौरान संस्थागत प्रसव में कमजोर प्रदर्शन पर सिमगा, पलारी और कसडोल के बीएमओ को नोटिस जारी करने के निर्देश भी दिये। कलेक्टर ने कहा कि बीएमओ लगातार फिल्ड विजिट करें और अस्पतालों में कमियों को दूर करने का प्रयास करें। कमियों को दूर करने विशेष रणनीति बनाएं। इसके साथ ही किसी योजना के क्रियान्वयन में किसी विकासखंड में अच्छा काम हो रहा हो तो उनसे समन्वय करें और प्रशिक्षण भी लें। उन्होंने कहा कि अस्पताल रिफरल केन्द्र न बने केवल अतिआवश्यक स्थिति में ही प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र से सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र और वहां से जिला अस्पताल को रिफर हो। इसीतरह जिला अस्पताल से राजधानी रायपुर या अन्य अस्पताल में रिफर हो। उन्होंने कहा कि सिस्टम को दुरुस्त रखें कहीं कोई लापरवाही न हो। आगामी बारिश के पहले अस्पतालों में एंटीवेनम अवश्य हो ताकि सर्पदंश का ईलाज शीघ्र उपलब्ध हो सकें। कलेक्टर ने कुष्ट उन्मूलन कार्यक्रम, एनीमिया उन्मूलन कार्यक्रम, टीबी मुक्त भारत, संस्थागत प्रसव, स्कूली बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण, आयुष्मान कार्ड, वय वंदन कार्ड, सेक्स रेशियो, अटल मॉनिटरिंग पोर्टल आदि की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिये कि हर माह विभागीय समीक्षा बैठक ली जाएगी जिसमें पिछली बार की कमियों की पुनरावृति न हो। बैठक में सीएमएचओ डॉ राजेश कुमार अवस्थी, सिविल सर्जन डॉ अशोक वर्मा सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

सामाजिक समरसता का संदेश देने वाला पर्व है होली : देवकी

भंवरपुर। सरस्वती शिशु मंदिर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय भंवरपुर में प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी होली मिलन समारोह हर्षोल्लास के साथ मनाया गया जिससे पूरे विद्यालय परिसर में उत्सव का वातावरण देखने को मिला जहां भैया बहनों ने परस्पर भाईचारे और मर्यादा के साथ होली का पर्व मनाया। कार्यक्रम का शुभारंभ भैया बहनों द्वारा एक दूसरे को गुलाल लगाकर किया गया तथा विद्यालय परिसर में पारंपरिक होली गीतों का धुन गूंजने लगा। इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य कमल स्वर्णकार द्वारा होली पर्व पर विचार व्यक्त किया गया और कहा गया कि होली केवल रंगों का पर्व नहीं बल्कि सामाजिक समरसता और एकता का प्रतीक है। वरिष्ठ आचार्य उद्धव लाल पटेल द्वारा भी होली पर्व मनाने के कारणों पर प्रकाश डाला गया और कहा गया कि यह पर्व सत्य और भक्ति की विजय होती है और अहंकार वह अधर्म का विनाश होता है। कार्यक्रम की अंतिम कड़ी में समस्त आचार्य एवं दीदीयां भी एक दूसरे को गुलाल लगाकर शुभकामनाएं दी। इस प्रकार रंगोत्सव के माध्यम से भैया बहनों के बीच एकता, सहयोग और समसरसता की भावना और अधिक सुदृढ़ हुए। इस प्रकार उक्त कार्यक्रम में विद्यालय के समस्त आचार्य एवं दीदीयों का विशेष योगदान रहा।

बनवारी गौशाला में सामूहिक कन्या विवाह का आयोजन

सरायपाली। सरायपाली बनवारी गौशाला केंदुढ़ार में सामूहिक सुकन्या विवाह का भव्य आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य ऐसे परिवारों की बेटियों का सम्मानपूर्वक विवाह संपन्न कराना था, जो आर्थिक रूप से कमजोर होने के कारण दहेज प्रथा एवं अन्य खर्चों का वहन करने में असमर्थ हैं। इस पुनीत अवसर पर विवाह की व्यवस्थाएँ समिति द्वारा की गईं। इस सामूहिक विवाह में दो जोड़ों का विधि-विधान एवं वैदिक मंत्रोच्चार के साथ हर्षोल्लासपूर्वक विवाह संपन्न कराया गया। पहला जोड़ा रवि सिंधे एवं कु. लक्ष्मी सिदार, केंदुढ़ार ग्राम मुंघा से था । दूसरा जोड़ा अरवित यादव एवं कु. यामोती यादव, ग्राम मजरमाटी से था। समस्त अतिथियों एवं ग्रामीणजनों की उपस्थिति में दोनों नवदंपत्तियों को आशीर्वाद प्रदान किया गया।

होली पर प्रेम, भाईचारा एवं सामाजिक सौहार्द्र का दें संदेश : विजय मोटवानी

धमतरी। भक्त प्रहलाद की भक्ति से प्राप्त शक्ति का सनातन परंपरा का महापर्व होलिका के पावन अवसर पर नगर निगम के लोक निर्माण विभाग अध्यक्ष विजय मोटवानी द्वारा नगर वासियों तथा क्षेत्र वासियों को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए सभी के खुशहाल जीवन तथा मंगलमय भविष्य की प्रार्थना भगवान से की है। श्री मोटवानी ने आगे कहा कि होली का सार्थक एवं पवित्र संदेश यही है कि हम सब अपनों को अपने साथ अपनेपन के रंगों से सराबोर कर आपसी प्रेम, भाईचारा अपनापन तथा सामाजिक सौहार्द को आगे बढ़ाकर सभी के जीवन में सुख शांति और खुशहाली का संचार करें और यही से ही हम सब अपने जीवन को भी धन्य करेंगे और दूसरों के जीवन को भी सुखी एवं समृद्ध बनाने के लिए अपना योगदान देकर मानव धर्म का पालन करेंगे। आगे उन्होंने नगर निगम के माध्यम से विकास के रंगों की खुशियों को आगे बढ़ाने के लिए नगर वासियों से सहयोग, प्रेम, स्नेह के सहयोग की आग्रह पूर्वक निवेदन भी होली के पवित्र अवसर पर किया है।

मोहनीश पदमवार ने हस्तनिर्मित हर्बल गुलाल पैकेट विशेष बच्चों को उपहार में दिए

धमतरी। धमतरी स्थित मानसिक दिव्यांग प्रशिक्षण केंद्र सार्थक स्कूल में होली का पर्व हर्षोल्लास और आत्मीय वातावरण में मनाया गया। इस अवसर पर मोहनीश पदमवार अपनी माता नीलिमा पदमवार के साथ विशेष बच्चों के बीच पहुंचे। उनके साथ उनके मित्र सेवक साहू भी अपनी माता कुंवर साहू एवं पिता मुरारीराम साहू के साथ उपस्थित रहे। इस अवसर पर मोहनीश पदमवार ने अपने हाथों से निर्मित हर्बल गुलाल के पैकेट बच्चों को उपहार स्वरूप भेंट किए। अतिथियों ने बच्चों के साथ फूलों और हर्बल गुलाल से होली खेली तथा होली गीतों पर नृत्य किया। कार्यक्रम के दौरान संगीत प्रशिक्षिका देविका दीवान की ढोल की थाप पर बच्चे, अतिथि और प्रशिक्षक झूम उठे, जिससे पूरा परिसर उल्लास से भर गया। मोहनीश पदमवार ने कहा कि विशेष बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के लिए प्रशिक्षकों का समर्पण सराहनीय है। सेवक साहू ने कहा कि विशेष बच्चों के साथ समय बिताना उनके लिए सौभाग्य की बात है। सार्थक संस्था की अध्यक्ष डॉ सरिता दोशी ने कहा कि होली प्रेम, सदभाव और समानता का प्रतीक है तथा हर्बल गुलाल पर्यावरण संरक्षण का संदेश देता है। सचिव स्नेहा राठौड़ ने अतिथियों का आभार व्यक्त किया। पदमवार परिवार की ओर से बच्चों को बिस्किट के पैकेट प्रदान किए गए। कार्यक्रम के अंत में सार्थक की सहसचिव वंदना मिराणी एवं कार्यकारिणी सदस्य प्रतिभा अग्रवाल ने बच्चों को स्नेहपूर्वक स्वल्पाहार कराया। इस अवसर पर सुभाष मलिक, प्रशिक्षक मैथिली गोड़े, देविका दीवान, कौशिल्या यादव, काजल रजक, सुनैना गोड़े एवं सविता शेख उपस्थित रहे।

रंगों के पर्व पर मोक्ष प्रधान ने दिया एकता का संदेश

भंवरपुर। बसना विधानसभा क्षेत्र में जनसेवा के लिए निरंतर सक्रिय रहने वाले मोक्ष कुमार प्रधान जिला पंचायत सदस्य ने रंगों के पावन पर्व होली के अवसर पर समस्त क्षेत्रवासियों के प्रगति और खुशहाली की कामना की है। उन्होंने कहा कि होली केवल रंगों का त्योहार नहीं, बल्कि आपसी प्रेम, भाईचारे, सद्भाव और सामाजिक एकता का प्रतीक है। यह पर्व हमें पुरानी कटुता और मनमुटाव को भुलाकर नई शुरुआत करने की प्रेरणा देता है। समाज में सकारात्मक ऊर्जा और आपसी विश्वास बढ़ाने का यह सबसे सुंदर अवसर है। मोक्ष कुमार प्रधान ने कहा कि क्षेत्र की जनता ने हमेशा आपसी सौहार्द और भाईचारे की मिसाल पेश की है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इस वर्ष भी सभी लोग शांतिपूर्ण, सुरक्षित और पर्यावरण के प्रति जागरूक रहकर होली मनाएंगे। अपने संदेश में उन्होंने यह भी कहा कि होली का त्योहार समाज में नई ऊर्जा का संचार करता है और हमें एकजुट होकर क्षेत्र के विकास के लिए कार्य करने की प्रेरणा देता है। उन्होंने ईश्वर से प्रार्थना की कि यह रंगों का पर्व सभी के जीवन में सुख, शांति, समृद्धि और उत्तम स्वास्थ्य लेकर आए तथा क्षेत्र निरंतर प्रगति की ओर अग्रसर रहे। अंत में उन्होंने पुनः समस्त क्षेत्रवासियों को होली की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए कहा कि प्रेम और विश्वास के रंग कभी फीके नहीं पड़ने चाहिए। यही होली का सच्चा संदेश है।

विशेष आवश्यकता वाले प्रत्येक बच्चे तक आवश्यक संसाधन पहुँचाना शासन की प्राथमिकता : लीलाधर चौधरी

समग्र शिक्षा अंतर्गत सार्थक के विशेष बच्चों को सहायक शिक्षण किट प्रदान

धमतरी। समग्र शिक्षा अभियान अंतर्गत सीडब्ल्युएसएन अर्थात विशेष आवश्यकता वाले बच्चों हेतु बीआरसी ब्लॉक रिसोर्स सेंटर धमतरी कार्यालय में सहायक शिक्षण किट प्रदान कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विकासखंड शिक्षा अधिकारी लीलाधर चौधरी, बीआरसी समन्वयक ललित सिन्हा एवं सहायक विकासखंड शिक्षा अधिकारी कमलेश कुमार ध्रुव की उपस्थिति में सार्थक संस्था के 9 विशेष बच्चों को आवश्यक शिक्षण किट प्रदान किए गए। राघव ध्रुव, पतरस बाघमारे, अर्जुन चक्रधारी, मनीष मंडावी, बेबी ध्रुव, ओम बाबर, भूपेंद्र साहू एवं समीक्षा ध्रुव को लो विजन किट, फन एक्टिविटी किट, वुडन पजल, सोलर सिस्टम मॉडल, संख्या पहचान पजल, डेट ऑफ वीक किट, फिंगर ग्रिपर, अबेकस बीड्स, थैराबैंड आदि सामग्री उपलब्ध कराई गई। बौद्धिक दिव्यांगता से प्रभावित बच्चों तथा बौद्धिक दिव्यांगता एवं सेरेब्रल पाल्सी से प्रभावित मनीष एवं अर्जुन को आवश्यकता अनुसार विशेष सामग्री प्रदान की गई। इस अवसर पर लीलाधर चौधरी ने कहा कि शासन प्रत्येक विशेष आवश्यकता वाले बच्चे तक गुणवत्तापूर्ण एवं आवश्यकता आधारित संसाधन पहुँचाने के लिए प्रतिबद्ध है, ताकि वे आत्मनिर्भर बन सकें तथा समावेशी शिक्षा को सुदृढ़ किया जा सके। सार्थक के विशेष बच्चे अपने प्रशिक्षक मैथिली गोड़े एवं देविका दीवान के संरक्षण एवं मार्गदर्शन में कार्यक्रम में उपस्थित हुए। अंत में प्रशिक्षक मैथिली गोड़े ने समग्र शिक्षा विभाग एवं उपस्थित अधिकारियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

सुभाष नगर वार्ड की पानी टंकी में सुरक्षा व्यवस्था सुदृढ़ करने के निर्देश

धमतरी। सुभाष नगर वार्ड स्थित पानी टंकी परिसर में हाल ही में हो रही घटनाओं को गंभीरता से लेते हुए नगर निगम धमतरी के महापौर जगदीश रामू रोहरा, जल विभाग के सभापति अखिलेश सोनकरा एवं लाल बगीचा वार्ड क्रमांक 03 की पार्षद तथा विधि एवं सामान्य प्रशासन विभाग की सभापति हिमानी भगवत साहू द्वारा आवश्यक निर्देश दिए गए। उन्होंने पानी टंकी परिसर में गेट की व्यवस्था को और अधिक मजबूत एवं व्यवस्थित करने तथा नगर निगम के कर्मचारियों को वहां विशेष निगरानी रखने के निर्देश दिए ताकि परिसर में हो रही घटनाओं पर नियंत्रण रखा जा सके और किसी भी अप्रिय घटना से बचाव किया जा सके। नगर निगम द्वारा यह भी कहा गया कि क्षेत्र की सुरक्षा और व्यवस्था बनाए रखने के लिए नियमित रूप से निगरानी की जाएगी जिससे नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके।

संक्षिप्त समाचार

बढ़े बिजली बिल पर कांग्रेस की चिंता, राहत योजना फिर शुरू करने की मांग

रायपुर। प्रदेश में बिजली बिल की बढ़ती राशि को लेकर कांग्रेस ने चिंता व्यक्त की है। पार्टी की प्रवक्ता वंदना राजपूत ने कहा कि त्योहारी सीजन में बढ़े हुए बिजली बिल से आम उपभोक्ताओं के घरेलू बजट पर असर पड़ रहा है। उन्होंने पूर्व में संचालित बिजली बिल हाफ योजना को पुनः लागू करने की मांग की है, ताकि उपभोक्ताओं को कुछ राहत मिल सके। कांग्रेस का कहना है कि वर्तमान व्यवस्था में 200 यूनिट तक की रियायत से अपेक्षित लाभ नहीं मिल पा रहा है। प्रवक्ता के अनुसार, कई स्थानों पर बकाया राशि के चलते बिजली कनेक्शन काटे जाने की घटनाएं सामने आई हैं। उन्होंने दावा किया कि राजधानी सहित विभिन्न जिलों में ऐसे मामले बढ़े हैं। पार्टी ने यह भी कहा कि बिजली दरों और आपूर्ति की स्थिति पर पुनर्विचार किया जाना चाहिए। ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली कटौती की शिकायतों का उल्लेख करते हुए कांग्रेस ने आपूर्ति व्यवस्था को सुदृढ़ करने की बात कही है इसके साथ ही वंदना राजपूत ने कोयले की कीमत और वीसीए (वेरिएबल कॉस्ट एडजस्टमेंट) जैसे घटकों का हवाला देते हुए बिजली दरों में कमी की संभावना पर विचार करने की मांग की।

खैरागढ़ में बुजुर्ग हत्याकांड का खुलासा, चोरी नहीं बल्कि रंजिश बनी वजह

रायपुर। ठेलकाडीह थाना क्षेत्र के ग्राम गहिरा-गोपालपुर में हुए बुजुर्ग की हत्या के मामले का पुलिस ने पर्दाफाश कर दिया है। शुरुआती जांच में जहां यह मामला चोरी के दौरान हत्या का प्रतीत हो रहा था, वहीं विस्तृत पड़ताल में यह व्यक्तिगत रंजिश और आपसी विवाद से जुड़ा निकला। पुलिस ने गांव के ही एक युवक को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार 27 फरवरी की सुबह लगभग साढ़े आठ बजे सूचना मिली कि गांव निवासी लेडगुराम वर्मा की उनके घर में हत्या कर दी गई है। मौके पर पहुंची टीम को घर की पिछली खिड़की टूटी हुई और आलमारी में तोड़फोड़ के निशान मिले, जिससे प्रथम दृष्टया चोरी की आशंका जताई गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए डॉग स्क्वॉड और एफएसएल की टीम ने घटनास्थल से साक्ष्य एकत्र किए। जांच के दौरान ग्रामीणों और परिजनों से पूछताछ के आधार पर गांव के ही बिरेन्द्र कुमार वर्मा पर संदेह गहराया। हिरासत में लेकर पूछताछ करने पर आरोपी ने अपराध स्वीकार कर लिया। पुलिस के मुताबिक आरोपी ने बताया कि मृतक के साथ उसका लंबे समय से विवाद चल रहा था। खेती-किसानी और अन्य घरेलू बातों को लेकर उसे अपमानित किए जाने से वह आक्रोशित था। इसी रंजिश में 26 फरवरी की रात वह कुल्हाड़ी लेकर मृतक के घर पहुंचा और उस पर हमला कर दिया।

जीई रोड में अंधेरा होने से आश्रम से लेकर साइंस कालेज तक अंधेरा

रायपुर। राजधानी में इन दिनों महत्वपूर्ण मार्ग जीई रोड आमापारा से लेकर साइंस कालेज मैदान तक अंधेरा छाया हुआ है जिससे रात को पैदल चलने वालों एवं वाहन चालकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। मिली जानकारी के अनुसार राजधानी में स्मार्ट सिटी लिमिटेड द्वारा आमापारा से लेकर आश्रम और आश्रम से लेकर राजकुमार कालेज और राजकुमार कालेज से लेकर साइंस कालेज के बीच फैंसी लाइट लगाई गई है। लेकिन अब खंभों को अब निकाल दिया गया है जिसके कारण यहां पर अंधेरा छाया हुआ है। यहां पर दिया एवं धनुष के आकार के लाइट लगाये गये थे। अचानक खंभों को निकाल देने से राहगीरों को परेशानी हो रही है। राजकुमार कालेज वंदना आटो के सामने लोगों को सड़क से इधर से उधर जाना पड़ता है वहीं ईरिक्शा वाले लाइट नहीं जलाते है जिसके कारण दुर्घटना बने रहने की संभावना बनी रहती है। राजधानी में इन दिनों शाम को वाहनों की संख्या बढ़ जाती है आमापारा चौक में तो इन दिनों होली का बाजार लगा हुआ है। जिसके कारण आए दिन चक्का जाम हो जाता है तात्यापारा से लेकर आजाद चौक सड़क जाम रहता है वहीं शारदा चौक से लेकर तात्यापारा चौक तक शाम होते ही लंबा जाम लगता है। जिसके कारण लोगों को परेशानी होती है।

यात्रियों को झटका : रायनापाडु में यार्ड पुनर्निर्माण के चलते स्वर्णजयंती एक्सप्रेस बदलेगी रास्ता

रायपुर। दक्षिण मध्य रेलवे के अंतर्गत आने वाले रायनापाडु रेलवे स्टेशन पर यार्ड के व्यापक पुनर्निर्माण कार्य के कारण ट्रेनों के संचालन पर असर पड़ने वाला है। सुरक्षा संबंधी प्री-नॉन-इंटरलॉकिंग (प्री-एनआई) और नॉन-इंटरलॉकिंग (एनआई) कार्य के चलते 4 मई 2026 को चलने वाली 12803 विशाखापट्टनम निज़ामुद्दीन स्वर्णजयंती एक्सप्रेस अपने निर्धारित मार्ग से परिवर्तित रूट पर संचालित होगी। रेलवे अधिकारियों के अनुसार 4 मई को विशाखापट्टनम से रवाना होने वाली यह महत्वपूर्ण ट्रेन विजयवाड़ा की बजाय सिंगापुरम रोड लखोली दुर्ग नागपुर होते हुए अपने गंतव्य की ओर जाएगी। मार्ग परिवर्तन के कारण इस गाड़ी का ठहराव दुव्वाडा, सामलकोट, राजमुंद्री, ताडेपल्लिगुडेम और एलुरु स्टेशनों पर नहीं होगा, जिससे इन स्टेशनों से यात्रा करने वाले यात्रियों को असुविधा का सामना करना पड़ सकता है। रेलवे ने यात्रियों से अपील की है कि यात्रा से पहले वे नेशनल ट्रेन इंक्वारी सिस्टम के माध्यम से अपनी ट्रेन की ताजा स्थिति अवश्य जांच लें, ताकि किसी भी तरह की परेशानी से बचा जा सके। यार्ड आधुनिकीकरण के इस बड़े काम को भविष्य की सुरक्षित और सुचारु रेल सेवाओं की दिशा में अहम कदम माना जा रहा है, लेकिन फिलहाल यात्रियों को बदलते रूट और रद्द ठहराव की मार झेलनी पड़ेगी।

छत्तीसगढ़ के प्रतिभागियों ने ईस्ट ज़ोन प्रतियोगिता में जीते 12 पदक

रायपुर। युवाओं की प्रतिभा, तकनीकी दक्षता एवं नवाचार क्षमता को राष्ट्रीय मंच प्रदान करने के उद्देश्य से भारत सरकार का कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय द्वारा आयोजित इंडिया स्किल प्रतियोगिता 2025-26 में छत्तीसगढ़ राज्य के युवाओं ने ईस्ट ज़ोन रीजनल प्रतियोगिता में 12 पदक और 04 मेडल ऑफ एक्सीलेंस अर्जित कर उल्लेखनीय उपलब्धि प्राप्त की है। यह प्रतियोगिता क्रमशः चार चरणों में जिला, राज्य, रीजनल एवं राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित की जा रही है। राष्ट्रीय स्तर पर चयनित प्रतिभागियों को वर्ल्ड स्किल्स इंटरनेशनल के अंतर्गत भारत का प्रतिनिधित्व करने का अवसर प्राप्त होगा। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने प्रदेश के युवाओं को बधाई देते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ के युवाओं ने यह सिद्ध कर दिया है।

आधुनिक डिजाइन और तकनीक से हों शासकीय भवनों का निर्माण

सड़क निर्माण में गुणवत्ता से समझौता नहीं होगा-मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय

- निर्माण के दौरान ही फील्ड में जाकर नियमित निरीक्षण करें अधिकारी, लापरवाही पर कार्रवाई और ठेकेदार होंगे ब्लैकलिस्ट
- टेंडर से अवॉर्ड तक पूरी प्रक्रिया की समय-सीमा तय करने के निर्देश

रायपुर/ संवाददाता

प्रदेश में सड़क निर्माण कार्यों की गुणवत्ता और समयबद्धता को लेकर मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कड़ा रुख अपनाया है। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि सड़क निर्माण में किसी भी प्रकार की लापरवाही या गुणवत्ताहीन कार्य को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। यदि कहीं भी निर्माण कार्य में कमी पाई गई तो संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी और दोषी ठेकेदारों को ब्लैकलिस्ट किया जाएगा। मुख्यमंत्री श्री साय ने यह निर्देश आज मंत्रालय महानदी भवन में लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) के कार्यों और गतिविधियों की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक के दौरान दिए। बैठक में उप मुख्यमंत्री एवं लोक निर्माण मंत्री श्री अरुण साव उपस्थित थे। मुख्यमंत्री श्री साय ने अधिकारियों से कहा कि सड़क निर्माण के बाद निरीक्षण करने के बजाय निर्माण के दौरान ही नियमित रूप से फील्ड में जाकर गुणवत्ता की निगरानी की जाए। उन्होंने कहा कि सड़कों का निर्माण केवल तकनीकी कार्य नहीं बल्कि आमजन की सुविधा से जुड़ा हुआ महत्वपूर्ण अधोसंरचनात्मक कार्य है और इससे सरकार की छवि भी बनती है। यदि सड़क बनने के कुछ वर्षों के भीतर ही खराब हो जाए तो इससे सरकार की विश्वसनीयता प्रभावित होती है। बैठक में बागबहारा-कोतबा सड़क की खराब स्थिति पर मुख्यमंत्री ने नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि यह सड़क कुछ वर्ष पहले ही बनी थी, लेकिन उसकी स्थिति तेजी से खराब हो गई है। यदि सड़क चार वर्ष भी नहीं चले तो इसका कोई औचित्य नहीं रह जाता। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि इस सड़क के निर्माण में हुई कमियों की गंभीरता से जांच की जाए और भविष्य में ऐसी स्थिति दोबारा न हो इसके लिए निर्माण के दौरान ही गुणवत्ता की सख्त निगरानी की जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में बड़े पैमाने पर सड़क निर्माण कार्य हो रहे हैं, लेकिन आमजन को इन कार्यों की जानकारी नहीं मिल पाती जिससे सकारात्मक नैरेटिव नहीं बनता। उन्होंने निर्देश दिए कि बड़ी सड़क परियोजनाओं के शिलान्यास और भूमिपूजन मुख्यमंत्री और मंत्रियों के हाथों से कराए जाएं तथा उन्हें व्यापक रूप से आमजन के सामने प्रस्तुत किया जाए। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सड़क निर्माण के टेंडर जारी होने से लेकर कार्य आवंटन (अवॉर्ड) तक की पूरी प्रक्रिया के लिए स्पष्ट समय-सीमा तय की जाए। उन्होंने कहा कि कई ठेकेदार बहुत कम दर यानी बिलो रेट पर टेंडर प्राप्त कर लेते हैं, जिसके कारण कार्य समय पर और गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूरा नहीं हो पाता। ऐसी स्थिति में संबंधित ठेकेदार की जवाबदेही तय की जानी चाहिए। यदि ठेकेदार बिलो रेट पर टेंडर लेता है तो यह उसकी जिम्मेदारी होगी कि वह कार्य को निर्धारित गुणवत्ता और समय-सीमा में पूरा करे। मुख्यमंत्री ने कहा कि निर्माण कार्यों की गुणवत्ता और समयबद्धता सुनिश्चित करने के लिए स्पष्ट नियमावली तैयार करने की आवश्यकता है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि अन्य राज्यों में लागू बेहतर व्यवस्थाओं का अध्ययन कर छत्तीसगढ़ में भी उपयुक्त प्रावधान लागू किए जाएं। साथ ही टेंडर और डीपीआर जैसे तकनीकी कार्यों के लिए एक अलग इकाई बनाने पर भी गंभीरता से विचार किया जाए।

छात्रवृत्ति समर्पण भाजपा सरकार का नया षडयंत्र पालकों से छात्रवृत्ति नहीं लेने सहमतिपत्र का दबाव

रायपुर। संवाददाता

सरकार पर स्कूली छात्रों से छात्रवृत्ति समर्पण के लिए जबरिया दबाव बनाकर फर्जी सहमति लिखवाने का आरोप लगाते हुए प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ प्रवक्ता सुरेंद्र वर्मा ने कहा है कि इस शिक्षण सत्र में सरकार का एक नया षड्यंत्र उजागर हुआ है। जटिल प्रक्रिया, पोर्टल के अव्यावहारिक शर्तें और त्रुटिपूर्ण व्यवस्था से परेशान छात्र और पालकों से छात्रवृत्ति समर्पण की सहमति पत्र लिखवाई जा रही है, ताकि उसके आधार पर छात्रों को छात्रवृत्ति की राशि से वंचित किया जा सके। जैसे धान खरीदी में किसानों से जबरिया रकबा समर्पण करवाया गया उसी तर्ज पर आरक्षित वर्ग के छात्रों से छात्रवृत्ति समर्पण करवाया जा रहा है। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ प्रवक्ता सुरेंद्र वर्मा ने कहा है कि पूर्व में प्राथमिक और माध्यमिक स्कूली छात्रों के पालकों के बैंक अकाउंट में छात्रवृत्ति भेजने की व्यवस्था थी लेकिन अब नाबालिक बच्चों के भी नाम का ही अकाउंट होना चाहिए, तीसरी से आठवीं कक्षा के बच्चों के लिए बैंक अकाउंट खोलना बेहद कठिन हैं, बैंक के चक्कर काटते पालक थक चुके हैं, लेकिन समाधान नहीं निकला गया। आरक्षित वर्ग के गरीब बच्चों के लिए छात्रवृत्ति के एक राशि ही नहीं बल्कि पढ़ाई के एक व्यवस्था है, आर्थिक मदद है जिससे बच्चे अपनी शैक्षणिक गतिविधियों को जारी रख पाते हैं, शैक्षणिक सत्र खत्म होने को है

लेकिन इस साल के छात्रवृत्ति मद का पैसा बच्चों को नहीं मिला। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ प्रवक्ता सुरेंद्र वर्मा ने कहा है कि छत्तीसगढ़ छात्रवृत्ति पोर्टल में किए गए अव्यवहारिक बदलाव के चलते लाखों की संख्या में छात्र छात्रवृत्ति की राशि से वंचित कर दिए गए हैं। यह सरकार बिना तैयारी के जन कल्याणकारी योजनाओं में इसी तरह से लगातार अव्यावहारिक शर्तें दुर्भावना पूर्वक लगाए जा रही है ताकि पात्र हितग्राहियों को योजनाओं के लाभ से वंचित किया जाए। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ प्रवक्ता सुरेंद्र वर्मा ने कहा है कि राशन कार्ड में आधार लिंक की अनिवार्यता और बैंक खाता से आधार लिंक के साथ ही सभी दस्तावेजों में से किसी में मामूली स्पेलिंग मिसमैच भी पोर्टल में अमान्य कर दिया जा रहा है, जिसे सुधरवाने के लिए कोई सुविधा पृथक से छात्रों को उपलब्ध नहीं है, बैंकों में अपेक्षित सहयोग नहीं मिल रहा है। आधार कार्ड और राशन कार्ड में अपडेट करवाने छात्र, पालक और शिक्षक सभी परेशान हैं।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की जनकल्याणकारी योजनाओं से मिली राह

- बालोद की टिकेश्वरी बनीं आत्मनिर्भरता की मिसाल, मजदूरी से किराना व्यवसाय तक का प्रेरक सफर

रायपुर/ संवाददाता

जब मजबूत संकल्प और शासन की जनहितकारी योजनाओं का सहयोग मिल जाता है, तब सीमित संसाधनों के बीच भी सफलता की नई कहानी लिखी जा सकती है। छत्तीसगढ़ शासन की महत्वाकांक्षी महतारी वंदन योजना ने प्रदेश की हजारों महिलाओं के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाया है। बालोद जिले के डौंडी विकासखंड के ग्राम खम्हारटोला की रहने वाली श्रीमती टिकेश्वरी की कहानी इसी बदलाव का प्रेरक उदाहरण है, जिन्होंने संघर्षपूर्ण जीवन से आगे बढ़ते हुए आज आत्मनिर्भरता की राह पकड़ ली है। कुछ समय पहले तक टिकेश्वरी अपने परिवार के भरण-पोषण के लिए मजदूरी पर निर्भर थीं। मजदूरी से होने वाली आय अनिश्चित होने के कारण परिवार की आवश्यकताओं को पूरा करना उनके लिए चुनौतीपूर्ण था। सीमित आय में घर का खर्च चलाना, बच्चों की पढ़ाई और भविष्य की चिंता उन्हें हमेशा परेशान करती थी। इन परिस्थितियों के बावजूद उन्होंने हिम्मत नहीं हारी और अपने जीवन में स्थिरता और बेहतर भविष्य के लिए लगातार प्रयास करती रहीं। इसी दौरान उन्हें राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी महतारी वंदन योजना का लाभ मिलने लगा। इस योजना के तहत हर माह मिलने वाली सहायता राशि ने उनके भीतर आत्मविश्वास और नई उम्मीद जगाई। टिकेश्वरी ने इस राशि को केवल दैनिक खर्चों में उपयोग करने के बजाय उसे संचित कर एक छोटे व्यवसाय की शुरुआत करने का निर्णय लिया। महिला स्व-सहायता समूह से जुड़कर उन्होंने अपनी आर्थिक गतिविधियों को और मजबूत बनाया। महतारी वंदन योजना से प्राप्त राशि को धीरे-धीरे संकलित करते हुए, और अपनी मेहनत व लगन के बल पर उन्होंने अपने गांव में ही एक छोटी किराना दुकान की शुरुआत की। आज यह दुकान उनके परिवार की आय का स्थायी स्रोत बन चुका है। किराना दुकान से होने वाली आय से टिकेश्वरी अब अपने परिवार की दैनिक आवश्यकताओं को सहजता से पूरा कर पा रही हैं। वे अपने दोनों बच्चों की शिक्षा पर विशेष ध्यान दे रही हैं।

आर्थिक मदद को बनाया बेटी के भविष्य का आधार

महतारी वंदन योजना से संवर रहा सुमनी का घर-परिवार.....

रायपुर/ संवाददाता

बस्तर जिले के बकावंड विकासखंड ग्राम छिंदगांव दुर्कापीगा की रहने वाली सुमनी कश्यप की कहानी आज महिला सशक्तिकरण और दूरदर्शिता का एक जीती-जागती मिसाल बनकर उभरी है। एक साधारण ग्रामीण परिवार से ताल्लुक रखने वाली सुमनी के लिए पिछला कुछ समय काफी चुनौतियों भरा रहा, जहाँ पति की कड़ी मेहनत के बावजूद घर के खर्चों और बच्चों की पढ़ाई के बीच तालमेल बिठाना अक्सर एक कठिन संघर्ष साबित होता था। आर्थिक तंगी के कारण बच्चों के लिए समय पर कॉपी-किताबें और

स्कूल की जरूरी चीजें जुटा पाना भी एक बड़ी चिंता का विषय बना रहता था, लेकिन सरकार की 'महतारी वंदन योजना' ने उनके जीवन में एक बड़े सहारे के रूप में दस्तक दी। जब से सुमन को इस योजना का लाभ मिलना शुरू हुआ और हर महीने 1000 रुपये की सहायता राशि उनके खाते में आने लगी, तब से उनके जीवन की दिशा ही बदल गई है। इस छोटी लेकिन नियमित तौर पर मिलने वाली राशि ने सुमनी के भीतर न केवल आत्मविश्वास का संचार किया, बल्कि उन्हें परिवार की जिम्मेदारियों में सक्रिय रूप से योगदान देने के काबिल भी बनाया। अब वे बिना किसी आर्थिक तनाव के बच्चों की पढ़ाई पर विशेष ध्यान दे पा रही हैं और उनकी छोटी-मोटी जरूरतों को समय पर पूरा कर रही हैं। सुमनी बताती हैं कि इस योजना ने उन्हें वह संबल प्रदान किया है जिससे अब वे अपने बच्चों के बेहतर भविष्य के लिए छोटा ही सही, पर ठोस सहयोग कर पा रही हैं।

दीपक बैज ने शराबबंदी पर सरकार से मांगी स्पष्टता, नीति पर उठाए सवाल

रायपुर। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने राज्य में पूर्ण शराबबंदी को लेकर सरकार से अपना रुख स्पष्ट करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि चुनाव के दौरान शराबबंदी का मुद्दा प्रमुखता से उठाया गया था, ऐसे में अब इस विषय पर सरकार की आधिकारिक स्थिति सामने आनी चाहिए। दीपक बैज ने कहा कि हाल के समय में शराब खरीद और लाइसेंस व्यवस्था से जुड़े नियमों में बदलाव किए गए हैं। उन्होंने एफएल-10 और एफएल-बी लाइसेंस से संबंधित निर्णयों का उल्लेख करते हुए कहा कि इन परिवर्तनों को लेकर पारदर्शिता जरूरी है। जिन कंपनियों के साथ पहले समझौते किए गए थे, उनमें बदलाव के कारणों की जानकारी सार्वजनिक की जानी चाहिए।

लोकभवन में मनाया गया 5 राज्यों का स्थापना दिवस

भारत की समृद्ध विरासत ही हमारी ताकत-राज्यपाल रमेन डेका

रायपुर/ संवाददाता

भारत की समृद्ध विरासत हमारी सबसे बड़ी ताकत है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणा से प्रारंभ हुआ 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' अभियान इसी एकता और सांस्कृतिक समृद्धि का सशक्त प्रतीक है। राज्यपाल श्री रमेन डेका ने लोकभवन में आज 5 राज्यों के स्थापना दिवस समारोह पर उक्त विचार व्यक्त किए। राज्यपाल ने असम, मणिपुर, मेघालय, त्रिपुरा और उत्तरप्रदेश के स्थापना दिवस के अवसर पर कहा कि यह पहल केवल सांस्कृतिक आदान-प्रदान नहीं, बल्कि भावनात्मक एकीकरण का माध्यम है। केन्द्र सरकार के एक भारत-श्रेष्ठ भारत कार्यक्रम के तहत विविधता में एकता की भावना को बढ़ावा देने के लिए सभी राज्य एक दूसरे का स्थापना दिवस मनाते है। इसी कड़ी में आज लोकभवन के छत्तीसगढ़ मण्डपम में इन राज्यों का स्थापना दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। राज्यपाल श्री डेका ने कहा कि असम भारत के उत्तर-पूर्व में स्थित है और अपनी प्राकृतिक

सुंदरता और संस्कृति के लिए प्रसिद्ध है। असम टी पूरी दुनिया में सबसे ज्यादा पसंद की जाने वाली चायों में से एक है। असम में स्थित काजीरंगा नेशनल पार्क में दुनिया के लगभग दो-तिहाई एक-सींग वाले गैंडे पाए जाते हैं। असम का प्रसिद्ध बिहू त्यौहार हैं। गुवाहाटी में स्थित कामाख्या मंदिर भारत के प्रमुख शक्तिपीठों में से एक है। राज्यपाल ने कहा कि मणिपुर शाब्दिक अर्थों में आभूषणों की भूमि है। यहां के लोग संगीत तथा कला में बड़े प्रवीण होने के साथ-साथ सृजनशील होते हैं, जो उनकी हथकरघा, दस्तकारी के उत्पादों में झलकती है। मणिपुर देश का आर्किड टोकरी है। श्री डेका ने कहा कि मेघालय एक प्रसिद्ध पर्यटन राज्य है। जहां की मुख्य जनजातियां मातृवंशीय प्रणाली का अनुसरण करती है। मेघालय को बादलों का घर कहा जाता है। राज्यपाल ने कहा कि हमारे पूर्वोत्तर राज्य त्रिपुरा का उल्लेख महाभारत, पुराणों तथा अशोक के शिलालेख में मिलता है। इस राज्य की अपनी अनोखी जनजातीय संस्कृति तथा दिलचस्प लोकगाथाएं है। देवी त्रिपुरा सुंदरी का प्रसिद्ध शक्ति पीठ भक्तों की आस्था का केंद्र है। श्री डेका ने कहा कि उत्तरप्रदेश, भारत के सबसे बड़े राज्यों में से एक है। यह भगवान श्रीराम और श्रीकृष्ण की जन्मभूमि है। भगवान बुद्ध ने अपना पहला उपदेश सारनाथ में दिया और बौद्ध धर्म की नींव रखी। विश्व के प्रसिद्ध पर्यटन स्थलों में से एक ताजमहल भी यहीं पर है। प्रयागराज में महाकुंभ होता है। राज्यपाल ने सभी राज्यों को स्थापना दिवस की बधाई देते हुए कहा कि भारत की एकता और अखंडता ही हमें आत्मनिर्भर और सशक्त राष्ट्र बनाने की दिशा में प्रेरित करती है। उन्होंने लोगों से कहा कि जीवन में एक काम ऐसा करें जिसमें ट्रांजेक्शन नहीं हो केवल ट्रांसफार्मेशन हो। समारोह में कानपुर के सांसद श्री रमेश अवस्थी ने भी अपने विचार व्यक्त किए समारोह में राज्यों के प्रतिनिधियों ने अपने राज्यों की विशेषताओं, परंपरा, संस्कृति पर प्रकाश डाला। समारोह में विभिन्न विश्वविद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने सभी राज्यों के सांस्कृतिक कार्यक्रमों की रंगारंग प्रस्तुति दी। विभिन्न राज्यों के प्रतिनिधियों को राज्यपाल ने राजकीय गमछा और स्मृति चिन्ह भेंट किया। उन्होंने भी राज्यपाल को अपने राज्य की ओर से स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। कार्यक्रम में राज्यपाल के सचिव डॉ. सी. आर प्रसन्ना सहित अन्य अधिकारी एवं इन सभी राज्यों के युवा, महिलाएं एवं गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

संपादकीय

भाईचारा ही लोकतंत्र की असली ताकत

सवाल है कि किसी व्यक्ति या समुदाय को लक्ष्य कर बोलने की आजादी के तहत जो भी कहा जाता है, क्या कभी उसके आधार और असर को लेकर भी विचार करने की कोशिश की जाती है। भारत में लोकतंत्र की परंपरा बहुत मजबूत रही है और यहां नागरिकों को अभिव्यक्ति की आजादी का अधिकार संविधान के तहत मिला हुआ है। मगर इसके साथ ही कुछ जिम्मेदारियां भी अभिन्न हैं, जो आपस में मिल कर ही देश में सद्भाव और सहयोग पर आधारित समाज को जीवन देती हैं। विडंबना यह है कि कई बार अभिव्यक्ति की आजादी पर पूर्वाग्रह और महज धारणा पर आधारित राय हावी दिखती है और इसे किसी व्यक्ति या समुदाय को कठघरे में खड़ा करने का औजार बना लिया जाता है। अपनी प्रभावी संप्रेषण शक्ति और लोगों तक व्यापक पहुंच रखने वाले कला माध्यम के रूप में फिल्मों में अभिव्यक्ति के रचनात्मक पक्ष का इस्तेमाल करते हुए बड़े से बड़े प्रश्नों पर विचार किया जाता रहा है और इसे सभी स्तरों पर स्वीकार्यता भी मिलती रही है। मगर अफसोस की बात यह भी है कि इसी सुविधा का कई बार गलत फायदा भी उठाया जाता है। अभिव्यक्ति के नाम पर किसी फिल्म में परोसी गई कहानी के जरिए किसी समुदाय के बारे में गलत धारणा बनाने की कोशिश की जाती है। इसी तरह, कुछ नेता भी अपनी जिम्मेदारियों और सीमाओं को ताक पर रख कर बेहिचक ऐसे बयान देते हैं, जिससे अलग-अलग समुदायों के बीच द्वेष पैदा होता है। जबकि इसका नतीजा इस रूप में भी सामने आ सकता है कि अलग-अलग समुदायों के बीच सद्भावना आधारित संवाद या संबंध पीछे छूट जाए। जाहिर है, देश को इसके दूरगामी नुकसान हो सकते हैं। शायद यही वजह है कि हाल ही में अपने शीर्षक की वजह से विवाद के घेरे में आई एक फिल्म पर विचार करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट तौर पर कहा है कि राष्ट्रीय एकता और सामाजिक सद्भाव के लिए भाईचारा जरूरी है। इस मामले में न्यायमूर्ति उज्जल भुइयां ने अपने अलग फैसले में कहा कि सरकारी और गैरसरकारी सहित किसी भी जानी-मानी हस्ती और खासतौर पर ऊंचे संवैधानिक पदों पर बैठे लोगों के लिए भाषण, मीम, कार्टून या दृश्य माध्यमों के जरिए किसी भी समुदाय को बदनाम करना, उस पर धर्म, जाति, भाषा या क्षेत्र के आधार पर निशाना साधना संविधान का उल्लंघन है। दरअसल, पिछले कुछ समय से देश भर में अलग-अलग संदर्भ में कुछ नेताओं के बयानों या फिल्मों ने कई बार विवाद की स्थिति खड़ी कर दी। सार्वजनिक रूप से वैसी बातें करने में भी संकोच नहीं किया गया, जिसका कोई मजबूत आधार नहीं था, लेकिन उसने जन मानस के बीच राय बनाने में भूमिका निभाई। वे फिल्मों में चित्रित ब्योरे हों या किसी नेता का बयान, ऐसे अनेक मौके सामने आए, जब उसकी वजह से नाहक विवाद खड़ा हुआ।

हर वर्ष फरवरी और मार्च का महीना आते ही देश के लाखों घरों में एक अलग-सी गंभीरता उतर आती है। पढ़ाई की मेज पर किताबों का ढेर बढ़ जाता है, दीवारों पर चिपके परीक्षा कार्यक्रम घर की दिनचर्या तय करने लगते हैं और बातचीत का केंद्र एक ही विषय रह जाता है- बोर्ड परीक्षा। दसवीं और बारहवीं की ये परीक्षाएं हर साल आती हैं, लेकिन इनके साथ जुड़ा तनाव और सामाजिक दबाव भी लगभग उतनी ही नियमितता से लौटता है। दरअसल, यह सिर्फ विद्यार्थियों की परीक्षा नहीं होती, यह परिवारों, विद्यालयों और पूरे सामाजिक परिवेश की मानसिकता की भी परीक्षा होती है। हमारी शिक्षा संस्कृति में बोर्ड परीक्षाओं को एक निर्णायक मोड़ की तरह देखने की परंपरा रही है। परिणाम आते ही फीसद के आधार पर बच्चों की क्षमता और पहचान तय कर दी जाती है। कुछ अंक ऊपर-नीचे होते ही किसी को मेधावी, किसी को औसत और किसी को कमजोर मान लिया जाता है।

बोर्ड परीक्षा- शिक्षा की कसौटी या सामाजिक प्रतिष्ठा का युद्ध?

(शिवम भारद्वाज)

यह प्रवृत्ति धीरे-धीरे बच्चों के मन में यह धारणा बना देती है कि उनका पूरा भविष्य कुछ अंकों पर टिका हुआ है। यहीं से परीक्षा सीखने की स्वाभाविक प्रक्रिया न रहकर सामाजिक प्रतिष्ठा का प्रश्न बन जाती है। किशोरावस्था का समय अपने आप में संवेदनशील होता है। यही वह दौर है, जब बच्चे अपनी क्षमताओं को पहचान रहे होते हैं और आत्मविश्वास विकसित कर रहे होते हैं। ऐसे समय में बोर्ड परीक्षा उनके सामने पहली बड़ी सार्वजनिक चुनौती बनकर आती है।

परिणाम केवल परिवार तक सीमित नहीं रहता, बल्कि रिश्तेदारों, पड़ोसियों और समाज की चर्चा का विषय बन जाता है। स्वाभाविक है कि ऐसी स्थिति में बच्चों के मन में चिंता और दबाव बढ़ता है, और कई बार यह दबाव पढ़ाई से अधिक उनके आत्मविश्वास को प्रभावित करता है। यहां एक बुनियादी सवाल यह है कि क्या कुछ घंटों की परीक्षा में मिले अंक किसी विद्यार्थी की पूरी योग्यता तय कर सकते हैं? शिक्षा का उद्देश्य केवल अंक जुटाना नहीं, बल्कि समझ, कौशल और व्यक्तित्व का विकास करना है, लेकिन जब पूरी चर्चा अंकों तक सिमट जाती है, तो सीखने की प्रक्रिया पीछे छूट जाती है और प्रतिस्पर्धा आगे आ जाती है।

नई शिक्षा नीति बहुआयामी मूल्यांकन, कौशल आधारित शिक्षा और सतत आकलन की बात करती है, लेकिन सामाजिक व्यवहार अब भी अंकों को ही अंतिम सत्य मानने का आदी है। यह विरोधाभास ही परीक्षा के आसपास अनावश्यक दबाव पैदा करता है। परीक्षा के समय बच्चों पर इस दबाव का असर साफ दिखाई देता है। उनकी नींद कम हो जाती है, दिनचर्या असंतुलित हो जाती है और आत्मविश्वास की जगह चिंता ले लेती है। कई बार मेहनती छात्र भी परीक्षा कक्ष में अपने ही डर से हार जाते हैं। इस डर से किसी बच्चे का आत्महत्या कर लेना बेहद त्रासद है। यह स्थिति बताती है कि समस्या पढ़ाई की कमी नहीं, बल्कि दबाव की अधिकता है।

जब मन आशंकाओं से भरा होता है, तो याद की हुई बातें भी स्पष्ट नहीं रह पातीं। इसीलिए तैयारी का अर्थ केवल पाठ्यक्रम पूरा करना नहीं, बल्कि मानसिक संतुलन बनाए रखना भी है। परीक्षा की दृष्टि से ऐसे समय में बच्चों के लिए संतुलित तैयारी सबसे जरूरी होती है। नियमित दिनचर्या, पर्याप्त नींद, हल्की शारीरिक गतिविधि और समझ के साथ की गई पढ़ाई- ये सभी बातें उनकी क्षमता को बेहतर बनाती हैं। बिना रुके घंटों पढ़ना हमेशा बेहतर परिणाम नहीं देता, बल्कि संतुलित और समझ पर आधारित तैयारी ही आत्मविश्वास पैदा करती है। परीक्षा के दिनों में यह समझना जरूरी है कि शरीर और मन दोनों को साथ लेकर चलना ही असली तैयारी है।

परीक्षा के नजदीक आने पर दबाव में आकर की गई पढ़ाई के नतीजे ज्यादा ठोस और सार्थक नहीं निकलते। इससे संभव है कि विद्यार्थी परीक्षा पास कर जाए, लेकिन ज्ञान और विवेक के स्तर पर जो मजबूती आनी चाहिए, वह नहीं आ पाती। इस दौर में अभिभावकों की भूमिका अत्यंत महत्त्वपूर्ण हो जाती है। अधिकांश माता-पिता बच्चों के भविष्य को लेकर चिंतित रहते हैं, लेकिन कई बार यही चिंता दबाव में बदल जाती है। तुलना, अपेक्षाओं की लगातार चर्चा या परिणाम को लेकर डराने वाली बातें बच्चों के मन में असुरक्षा पैदा करती हैं। इसके विपरीत, घर का शांत वातावरण, भरोसे से भरी बातचीत और नियमित दिनचर्या बच्चों को मानसिक स्थिरता देती है। जब बच्चे यह महसूस करते हैं कि उनका मूल्य केवल अंकों से नहीं तय होगा, तो वे अधिक सहज होकर अपनी तैयारी पर ध्यान दे पाते हैं। शिक्षण संस्थानों की जिम्मेदारी भी कम नहीं है। स्कूलों की रैंकिंग, सबसे ज्यादा अंक लाने वाले विद्यार्थियों की सूचियां और फीसद आधारित प्रतिष्ठा की होड़ कई बार बच्चों को अनावश्यक प्रतिस्पर्धा में धकेल देती है। शिक्षा का उद्देश्य जहां समझ और आलोचनात्मक विवेक विकसित करना होना चाहिए, वहां परिणाम संस्थानों की साख का पैमाना बन जाता है। अगर विद्यालय परीक्षा को सीखने की प्रक्रिया का हिस्सा मानकर चलें और काउंसलिंग, संवाद तथा समय प्रबंधन पर ध्यान दें, तो दबाव काफी हद तक कम किया जा सकता है। ऐसे समय में शिक्षक केवल विषय पढ़ाने वाले व्यक्ति नहीं रहते, बल्कि विद्यार्थियों के मार्गदर्शक बन जाते हैं। एक शिक्षक का संतुलित व्यवहार, परीक्षा से पहले दिए गए व्यावहारिक सुझाव या एक भरोसा दिलाने वाला वाक्य- ये सब बच्चों के मनोबल को मजबूत करते हैं। कई विद्यार्थियों के लिए शिक्षक की एक सकारात्मक टिप्पणी ही परीक्षा के दबाव के बीच सहारा बन जाती है। इस संबंध में समाज और मीडिया में जो उत्तेजना देखी जाती है, उसके मद्देनजर इनकी भूमिका पर भी विचार आवश्यक है। परिणाम आते ही सुर्खियां सबसे ज्यादा अंक लाने वाले विद्यार्थियों के इर्द-गिर्द घूमने लगती हैं। यह प्रेरक हो सकता है, लेकिन जब पूरी चर्चा उसी तक सीमित रह जाती है, तो एक संदेश फैलता है कि सफलता का एक ही पैमाना है- अधिकतम अंक। यह दृष्टिकोण न तो वास्तविक है और न उपयोगी। जीवन के रास्ते केवल बोर्ड परीक्षा के परिणाम से तय नहीं होते। आज का शैक्षिक और व्यावसायिक परिदृश्य तेजी से बदल रहा है। पारंपरिक डिग्रियों के साथ-साथ कौशल आधारित शिक्षा, तकनीकी क्षेत्रों, रचनात्मक पेशों और उद्यमिता के अवसर लगातार बढ़ रहे हैं। ऐसे में बोर्ड परीक्षा को जीवन का अंतिम निर्णय मान लेना यथार्थ से दूर की सोच है। अच्छे अंक अवसरों के दरवाजे खोलते हैं, लेकिन कम अंक जीवन के रास्ते बंद नहीं करते। दरअसल, बोर्ड परीक्षा को एक ऐसे पड़ाव की तरह देखना चाहिए, जो बच्चों को अनुशासन, समय प्रबंधन और लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित करना सिखाता है। यह जीवन की लंबी यात्रा का एक चरण है, मंजिल नहीं। जब समाज इस सरल सत्य को स्वीकार करेगा, तब परीक्षा के आसपास का दबाव कम होने लगेगा। इस पूरी प्रक्रिया में तीनों पक्ष- बच्चे, अभिभावक और शिक्षण संस्थान- एक-दूसरे से गहराई से जुड़े हुए हैं। बच्चों को मेहनत और समझ के साथ तैयारी करनी है, अभिभावकों को भरोसे का वातावरण बनाना है और स्कूलों को मार्गदर्शक की भूमिका निभानी है। जब यह संतुलन बनता है, तभी परीक्षा एक स्वस्थ अनुभव बनती है। हर साल बोर्ड परीक्षाएं होंगी, परिणाम आएंगे और नई पीढ़ियां इस प्रक्रिया से गुजरती रहेंगी, लेकिन किसी भी शिक्षा व्यवस्था की सफलता अंकों की सूची से नहीं, बल्कि उन बच्चों के आत्मविश्वास से तय होती है, जो परीक्षा के बाद जीवन में आगे बढ़ते हैं। अगर परीक्षा उन्हें संतुलन, मेहनत और विश्वास सिखाती है, तो वही उसकी असली सार्थकता है। और अगर वह उन्हें डर, तुलना और असुरक्षा में उलझा देती है, तो समस्या अंकों में नहीं, हमारी सोच में है।

शीर्ष माओवादी नेताओं के आत्मसमर्पण के साथ नक्सलवाद मुक्त होने की राह पर बढ़ा देश

(नीरज कुमार दुबे)

हम आपको बता दें कि करीब साठ से बासठ वर्ष का देवजी तेलंगाना के जगत्याल जिले के कोरुतला कस्बे के अंबेडकर नगर का निवासी है। दलित माला परिवार से आने वाले देवजी ने इंटरमीडिएट की पढ़ाई के दौरान ही कट्टर वामपंथी विचारधारा की ओर रुख कर लिया था। तेलंगाना और छत्तीसगढ़ की सरहद से आई एक खबर ने दशकों से चल रहे माओवादी आंदोलन की कमर तोड़ कर रख दी है। प्रतिबंधित संगठन सीपीआई माओवादी के शीर्ष कमांडर और प्रमुख रणनीतिकार टिप्परी तिरुपति उर्फ देवजी तथा वरिष्ठ नेता मल्ला राजी रेड्डी उर्फ संग्राम का आत्मसमर्पण उस अभियान की निर्णायक कड़ी बन गया है, जिसे केंद्र सरकार ने मार्च 2026 तक नक्सलवाद के पूर्ण उन्मूलन के लक्ष्य के साथ शुरू किया था। हम आपको बता दें कि करीब साठ से बासठ वर्ष का देवजी तेलंगाना के जगत्याल जिले के कोरुतला कस्बे के अंबेडकर नगर का निवासी है। दलित माला परिवार से आने वाले देवजी ने इंटरमीडिएट की पढ़ाई के दौरान ही कट्टर वामपंथी विचारधारा की ओर रुख कर लिया था। 1982 में वह रेडिकल स्टूडेंट यूनियन से जुड़ा था। उसी दौर में करीमनगर जिले में आरएसयू और एबीवीपी कार्यकर्ताओं के बीच झड़पें हुईं और एक मामले में उसका नाम आरोपी के रूप में सामने आया।

1983 में उसने सीपीआई एमएल पीपुल्स वार ग्रुप का दामन थामा और भूमिगत हो गया। 1983 से 1984 के बीच वह गढ़चिरोली दलम का सदस्य रहा। 1985 में एरिया कमेटी सदस्य बना और 2001 में केंद्रीय समिति में जगह पाई। 2016 में उसे केंद्रीय सैन्य आयोग का प्रभारी बनाया गया।

देवजी को पीपुल्स लिबरेशन गुरिल्ला आर्मी के गठन का श्रेय दिया जाता है। वह संगठन की केंद्रीय समिति और पोलित ब्यूरो का सदस्य रहा तथा दक्षिण भारत जोन और सेंट्रल रीजनल ब्यूरो में सैन्य रणनीति का मुख्य मार्गदर्शक बना। सुरक्षा एजेंसियों के मुताबिक 2010 के दंतेवाड़ा हमले सहित कई बड़े हमलों की साजिश से उसका संबंध रहा है। उस पर एक से ढाई करोड़ रुपये तक का इनाम घोषित था।

मई 2025 में सीपीआई माओवादी के महासचिव नंबाला केशव राव उर्फ बसवराजु की मौत के बाद माना जा रहा था कि देवजी ने संगठन की कमान संभाली। ऐसे समय में उसके आत्मसमर्पण ने संगठन के नेतृत्व को लगभग शून्य में ला खड़ा किया है।

देखा जाये तो पिछले एक वर्ष में देशभर में 2793 कैडर ने आत्मसमर्पण किया, जिनमें 1590 केवल बस्तर क्षेत्र से थे। 2025 में 1040, 2024 में 881, 2023 में 376 और 2022 में 496 आत्मसमर्पण दर्ज हुए। केवल तेलंगाना में पिछले दो वर्षों में 588 माओवादी नेता और कैडर सामान्य जीवन में लौटे हैं।

हम आपको याद दिला दें कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने स्पष्ट ऐलान किया था कि 31 मार्च तक देश से माओवादी उग्रवाद पूरी तरह समाप्त कर दिया जाएगा। उनका यह बयान जमीनी हकीकत पर आधारित दिखता है। तीन वर्षों में व्यापक अभियान, सटीक खुफिया समन्वय, राज्यों के बीच तालमेल और पुनर्वास नीति के संयोजन ने माओवाद की रीढ़ तोड़ दी है। सुरक्षा बलों ने साफ संदेश दिया था कि या तो आत्मसमर्पण करें या तीव्र अभियान में समाप्त कर दिए जाएंगे। देवजी और राजी रेड्डी का आत्मसमर्पण उसी संदेश की परिणति है।

अब जब माओवादी संगठन के शीर्ष चार केंद्रीय समिति सदस्य में से दो ने हथियार डाल दिए, तो यह माना जा सकता है कि माओवादी आंदोलन अपने अंतिम दौर में है। अमित शाह का संकल्प अब लगभग साकार होता दिख रहा है। दशकों तक खून और हिंसा से दागदार रहे इलाकों में अब शांति, विकास और लोकतांत्रिक मुख्यधारा की उम्मीद मजबूत हुई है। (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

पेट भरा फिर भी कुपोषण, अनाज उत्पादन में आत्मनिर्भर भारत के सामने गहराता 'मौन संकट'

(नृपेंद्र अभिषेक नृप)

दुनिया के चावल और गेहूं के बड़े उत्पादक देशों में शामिल होने के बावजूद भारत में रक्त की कमी, ठिगनापन और कम वजन की समस्या बनी हुई है। भूख के विरुद्ध हमारी लंबी लड़ाई ने खेतों को लहलहाया, भंडारों को भरा और अन्न की कमी को काफी हद तक दूर किया। मगर, इस उपलब्धि के बीच एक मौन संकट पनपता रहा और वह है पोषण की कमी। पेट तो भर गया, पर शरीर को वह संपूर्ण ऊर्जा नहीं मिल सकी, जो स्वस्थ जीवन का मूल आधार है। कई दशकों तक दुनिया भर में भूख से लड़ने का मुख्य उपाय यही माना गया कि अधिक से अधिक खाद्यान्न पैदा किया जाए। हरित क्रांति और उसके बाद कृषि के आधुनिकीकरण ने भारत जैसे देशों को खाद्यान्न उत्पादन में आत्मनिर्भरता की राह दिखाई।

मगर आज चुनौती केवल पेट भरने की नहीं है, बल्कि शरीर को सही पोषण देने की भी है। यह दोहरी समस्या हमें कृषि नीतियों, फसल विकास की दिशा और खाद्य व्यवस्था पर गंभीरता से पुनर्विचार करने की ओर इशारा करती है। फसलों की नई-नई किस्में इस उद्देश्य से विकसित की गई थीं कि प्रति हेक्टेयर उत्पादन अधिकतम हो सके। इन किस्मों ने खेती की तस्वीर बदल दी और लाखों लोगों को भुखमरी से बचाया। मगर जब पूरी प्राथमिकता उपज बढ़ाने पर केंद्रित हो गई, तब फसलों के पोषण मूल्य पर अपेक्षित ध्यान नहीं दिया गया। कई अध्ययनों से संकेत मिला है कि गेहूं और चावल जैसे खाद्यान्न की आधुनिक किस्मों में लौह तत्त्व, जिंक और कुछ विटामिन की मात्रा पारंपरिक देसी किस्मों की तुलना में कम हो सकती है। भले ही यह अंतर बहुत बड़ा न हो, लेकिन जिस समाज का भोजन मुख्य रूप से अनाज पर आधारित है, वहां इसका प्रभाव व्यापक हो सकता है। जब आहार में विविधता कम हो और अधिकांश भोजन केवल एक-दो फसलों पर निर्भर हो, तब पोषक तत्त्वों में हल्की-सी कमी भी बड़े पैमाने पर कुपोषण का कारण बन जाती है। भारत में पोषण की मौजूदा स्थिति इस सच्चाई को स्पष्ट करती है।

दुनिया के चावल और गेहूं के बड़े उत्पादक देशों में शामिल होने के बावजूद भारत में रक्त की कमी, ठिगनापन और कम वजन की समस्या बनी हुई है। विशेषकर प्रजनन आयु की महिलाएं और छोटे बच्चे इससे अधिक प्रभावित हैं। विभिन्न राष्ट्रीय सर्वेक्षणों और वैश्विक रपटों से यह बात सामने आती रही है कि खाद्य सुरक्षा और पोषण सुरक्षा एक ही बात नहीं है। केवल अनाज की उपलब्धता बढ़ जाने से पोषण की समस्या हल नहीं होती। महिलाओं और बच्चों में रक्त की कमी का बने रहना इस बात का प्रमाण है कि उन्हें जरूरी लौह तत्त्व और अन्य सूक्ष्म पोषक तत्त्व पर्याप्त मात्रा में नहीं मिल रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र की एक रपट के अनुसार, भारत में वर्ष 2024 में पांच वर्ष से कम आयु के बच्चों में से 18.7 फीसद कुपोषण से पीड़ित थे। इसी तरह राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (2019-21) के मुताबिक, देश में पांच वर्ष से कम उम्र के 35.5 फीसद बच्चे बौने हैं। इससे एक बात तो स्पष्ट है कि केवल यह देखना पर्याप्त नहीं है कि कितना खाद्यान्न पैदा हो रहा है; यह भी उतना ही महत्त्वपूर्ण है कि उस खाद्यान्न में पोषक तत्त्वों की स्थिति क्या है।

इन चुनौतियों को समझते हुए कृषि अनुसंधान संस्थानों ने अब पोषक तत्त्वों से भरपूर किस्में विकसित करने की दिशा में काम शुरू किया है। जैव-संवर्धन इसी प्रयास की एक अहम कड़ी है। इसमें फसलों की ऐसी किस्में विकसित की जाती हैं, जिनमें प्राकृतिक रूप से पोषक तत्त्वों की मात्रा अधिक हो। यह समाधान टिकाऊ है, क्योंकि इसमें फसल की कटाई के बाद अलग से पोषक तत्त्व मिलाने की आवश्यकता नहीं होती, बल्कि पोषण सीधे खेत से ही भोजन में पहुंचता है।

फिर भी केवल तकनीकी उपाय पर्याप्त नहीं हैं। कृषि नीति में व्यापक दृष्टिकोण अपनाना होगा, जिसमें आहार की विविधता को महत्त्व दिया जाए। पारंपरिक खेती में दालें, मोटे अनाज, तिलहन, फल और सब्जियां सब शामिल होते थे, जिससे संतुलित पोषण मिलता था। मगर समय के साथ एक ही प्रकार की फसलों पर निर्भरता बढ़ी और खेतों की विविधता कम हो गई। जबकि मोटे अनाज जैसे बाजरा, ज्वार और रागी पोषक तत्त्वों से भरपूर होते हैं और सूखे की स्थिति में इनकी पैदावार अच्छी होती है। इन्हें 'पोषक अनाज' के रूप में फिर से बढ़ावा देना कुपोषण से लड़ने का सशक्त माध्यम हो सकता है।

मिट्टी का स्वास्थ्य भी इस पूरी प्रक्रिया में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यदि मिट्टी में सूक्ष्म पोषक तत्त्वों की कमी होगी, तो फसलों में भी उनकी मात्रा कम हो सकती है। रासायनिक उर्वरकों के असंतुलित उपयोग और जैविक पदार्थों की कमी से मिट्टी की गुणवत्ता प्रभावित होती है। इसलिए संतुलित उर्वरक प्रयोग, फसल चक्र, जैविक खाद और मिट्टी परीक्षण जैसी पद्धतियों को बढ़ावा देना आवश्यक है। स्वस्थ मिट्टी में उगाई गई फसलें न केवल अधिक उत्पादन देती हैं, बल्कि बेहतर पोषण भी प्रदान करती हैं। इस प्रकार मिट्टी की सेहत, फसल की गुणवत्ता और मानव स्वास्थ्य एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं।

ऐसे में सार्वजनिक वितरण प्रणाली और खाद्य सहायता कार्यक्रमों में भी बदलाव की आवश्यकता है। अब तक इनका मुख्य उद्देश्य लोगों को पर्याप्त अनाज उपलब्ध कराना रहा है। यदि इन्हीं प्रणालियों के माध्यम से पोषक तत्त्वों से भरपूर अनाज, दालें और अन्य खाद्य पदार्थ वितरित किए जाएं, तो पोषण सुधार में खासी मदद मिल सकती है। विद्यालयों के मध्याह्न भोजन और गर्भवती महिलाओं के लिए पोषण योजनाओं में स्थानीय तथा विविध खाद्य पदार्थों को शामिल करने से उनकी सेहत में सुधार हो सकता है।

खाद्यान्न के प्रति उपभोक्ताओं की जागरूकता भी उतनी ही जरूरी है। शहरीकरण और बदलती जीवनशैली के कारण लोग अधिक प्रसंस्कृत और डिब्बाबंद खाद्य पदार्थों की ओर आकर्षित हो रहे हैं। ये खाद्य पदार्थ ऊर्जा तो देते हैं, परंतु उनमें पोषक तत्त्वों की कमी होती है। संतुलित आहार, साबुत अनाज, दालें, फल और सब्जियों के महत्त्व को समझाने के लिए जन-जागरूकता अभियान चलाया जाना चाहिए। यदि परिवारों, विशेषकर माताओं को सही जानकारी मिले, तो बच्चों के पोषण स्तर में उल्लेखनीय सुधार हो सकता है।

देखा जाए तो आर्थिक पहलू भी इस समस्या से जुड़े हुए हैं। किसान वही फसल उगाते हैं, जिसकी बाजार में मांग और उचित मूल्य मिलता है। यदि पोषक तत्त्वों से भरपूर फसलों को पर्याप्त समर्थन मूल्य और बाजार उपलब्ध नहीं होगा, तो जाहिर है कि किसान उनमें ज्यादा रुचि नहीं लेंगे और उनका उत्पादन सीमित ही रहेगा। इसलिए सरकार को व्यापक स्तर पर ऐसी नीतियां और योजनाएं बनानी चाहिए, जो किसानों को विविध एवं पोषक फसलों की खेती के लिए प्रोत्साहित करें।

इन सब के बीच जलवायु परिवर्तन भी एक नई चुनौती बनकर सामने आया है। तापमान में वृद्धि और अनियमित वर्षा फसल उत्पादन एवं उनके पोषण मूल्य को प्रभावित कर सकते हैं। कुछ शोध बताते हैं कि वातावरण में कार्बन डाइआक्साइड की बढ़ती मात्रा से फसलों में प्रोटीन और पोषक तत्त्वों की मात्रा घट सकती है। ऐसे में जलवायु के अनुकूल और पोषण से भरपूर फसलों की नई किस्मों का विकास जरूरी है। इक्कीसवीं सदी में भूख से लड़ाई केवल मात्रा पर नहीं, बल्कि गुणवत्ता पर भी केंद्रित होनी चाहिए। हर नागरिक को पर्याप्त और पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराना मानव विकास की बुनियादी जरूरत है। यदि हम पोषण-संवेदनशील कृषि में निवेश करते हैं, तो इससे शिक्षा, रोजगार और आर्थिक प्रगति पर दूरगामी एवं सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। इसलिए अब जरूरी है कि हम कृषि विकास के अगले चरण में पोषक तत्त्वों से भरपूर खाद्यान्न को केंद्र में रखकर आगे बढ़ें।

केशकाल में लो वोल्टेज ने बढ़ाई किसानों की मुसीबत 132 केव्ही केंद्र निर्माण की धीमी रफ्तार पर उठे सवाल

केशकाल। गर्मी की शुरुआत होते ही बिजली व्यवस्था ने एक बार फिर किसानों की चिंता बढ़ा दी है। हालिया, गादीपारा और कोरगांव के ग्रामीण लो वोल्टेज और ओवरलोड लाइन की समस्या से जूझ रहे हैं, जिससे मोटर पंप ठप पड़ने लगे हैं और सिंचाई कार्य प्रभावित हो रहा है। हर साल सामने आने वाली इस समस्या पर सवाल उठने लगे हैं कि आखिर विभाग ने समय रहते ठोस तैयारी क्यों नहीं की। मजबूर होकर ग्रामीणों को अब ज्ञापन सौंपकर स्थायी समाधान की मांग करनी पड़ रही है।

सीमित क्षमता की लाइन से लो वोल्टेज संकट- ग्रामीणों ने बताया कि वर्तमान में हालिया पंप लाइन केशकाल से जुड़ी हुई है, लेकिन लाइन की क्षमता सीमित होने के कारण क्षेत्र में लो वोल्टेज की समस्या लगातार बनी रहती है। इसके चलते मोटर पंप ठीक से नहीं चल पा रहे हैं और सिंचाई कार्य बाधित हो रहा है। उक्त लाइन को गादीपारा तक स्थायी किया जाए और आवश्यक तकनीकी सुधार कर लाइन की क्षमता में वृद्धि की जाए। ताकि क्षेत्र में पर्याप्त वोल्टेज के साथ नियमित बिजली आपूर्ति सुनिश्चित हो सके। यदि समय रहते समस्या का समाधान नहीं किया गया तो आगामी दिनों में फसलों को नुकसान होने की आशंका है। ग्रामीणों ने उम्मीद जताई है कि विभाग उनकी समस्या को गंभीरता से लेते हुए जल्द से जल्द निराकरण करेगा, जिससे किसानों को राहत मिल सके।

लोड शेडिंग से किसानों को अस्थाई राहत मिलेगी

इस संबंध में सहायक अभियंता एल.एस. टेकाम ने बताया कि ग्रामीणों की समस्याओं को हमने गंभीरता से सुना है। फिलहाल वैकल्पिक व्यवस्था के तहत लोड शेडिंग कर क्षेत्र में संतुलित रूप से विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित की जाएगी, ताकि किसानों को तत्काल राहत मिल सके। साथ ही समस्या के स्थायी समाधान के लिए जामगांव में 132 केव्ही विद्युत केंद्र का निर्माण कार्य प्रगति पर है। जैसे ही निर्माण कार्य पूर्ण होगा, क्षेत्र में विद्युत आपूर्ति की क्षमता बढ़ेगी और वोल्टेज व लोड से संबंधित समस्याएं स्वतः समाप्त हो जाएंगी।

132 केव्ही केंद्र का निर्माण कछुआ गति में

ग्राम जामगांव में 132 केव्ही विद्युत केंद्र का निर्माण कार्य पिछले कई वर्षों से जारी है। लेकिन प्रशासनिक अनदेखी और विभागीय सुस्ती के कारण काम अपेक्षित गति से आगे नहीं बढ़ पा रहा है। नतीजतन लो वोल्टेज की समस्या हर साल गंभीर होती जा रही है और किसानों को बार-बार प्रदर्शन करने पर मजबूर होना पड़ता है। इसके बावजूद निर्माण कार्य में कोई प्रभावी तेजी नही दिख रही। फिलहाल विभाग इसी केंद्र के भरोसे आश्वासन दे रहा है, लेकिन जनता का सवाल है, आखिर इसका निर्माण कार्य कब पूरा होगा।

एडजूम में आईटीबीपी का सिविक एक्शन प्रोग्राम, 400 ग्रामीणों को मिला लाभ

नारायणपुर। सीओबी एडजूम, 38वीं वाहिनी भारत-तिब्बत सीमा पुलिस आईटीबीपी के कैम्प परिसर में सोमवार को सिविक एक्शन प्रोग्राम का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन 38वीं वाहिनी के कमांडेंट रोशन सिंह असवाल के कुशल मार्गदर्शन में किया गया। इस अवसर पर ग्राम एडजूम, बड़े टोंडाबेड़ा, दूलुर और गौदारी के लगभग 400 ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम में स्कूली बच्चे, महिलाएं, बुजुर्ग एवं युवा बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। सिविक एक्शन प्रोग्राम के तहत ग्रामीणों को दैनिक उपयोग एवं शिक्षा से जुड़े विभिन्न सामग्रियों का वितरण किया गया। इनमें स्कूल बैग, नोटबुक, पेन, पेंसिल, स्केच पेन, ज्योमेट्री बॉक्स, रबर, टिफिन बॉक्स, साइकिल, 500 लीटर क्षमता की पानी की टंकी सिंटैक्स, कृषि उपकरण, फुटबॉल, क्रिकेट बॉल, वॉलीबॉल तथा मच्छरदानी शामिल रहे।

कार्यक्रम को सफल बनाने में ग्राम सरपंचों, सचिवों, प्रधानाचार्यों, शिक्षकों एवं अन्य गणमान्य नागरिकों का विशेष सहयोग रहा। ग्रामीणों ने आईटीबीपी के इस प्रयास की सराहना करते हुए आभार व्यक्त किया। गृह मंत्रालय द्वारा नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में निवासरत आदिवासी एवं आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के उत्थान के लिए विभिन्न कल्याणकारी योजनाएं संचालित की जा रही हैं। इन योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन में स्थानीय प्रशासन के साथ सुरक्षा बलों की भी महत्वपूर्ण भूमिका है। कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणों को नशामुक्ति के लिए भी प्रेरित किया गया। कमांडेंट के निर्देशानुसार भविष्य में भी क्षेत्र के समग्र विकास हेतु ऐसे कार्यक्रम आयोजित किए जाने की योजना है। इस सिविक एक्शन प्रोग्राम को सफल बनाने में सहायक सेनानी कसान सिंह सहित 38वीं वाहिनी आईटीबीपी के जवानों एवं छत्तीसगढ़ पुलिस के जवानों ने सक्रिय सहभागिता निभाई।

घर में अकेली युवती के साथ गैंगरेप, 3 नाबालिग समेत कुल 5 आरोपी हुए गिरफ्तार

केशकाल। केशकाल अनुविभाग के इरागांव थाना क्षेत्र से एक बेहद शर्मनाक और दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। होली के दूसरे दिन एक गांव में 19 वर्षीय युवती के साथ सामूहिक दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया गया है। बताया जा रहा है कि युवती घर में अकेली थी, तभी रंग-गुलाल लगाने के बहाने आरोपी घर में घुसे और उसे कमरे में ले जाकर बारी-बारी से दुष्कर्म किया। घटना की शिकायत मिलते ही पुलिस ने त्वरित कार्यवाही करते हुए 5 आरोपियो को गिरफ्तार किया है। जिसमें 3 नाबालिग व 2 युवक बालिक हैं। फिलहाल पुलिस इस पूरे मामले की बारीकी से जांच कर रही है। वहीं इस घटना के सामने आने के बाद इलाके में आक्रोश और चिंता का माहौल है। जानकारी के अनुसार घटना के समय युवती अपने घर में अकेली थी। इसी दौरान आरोपी रंग-गुलाल लगाने के बहाने उसके घर पहुंचे और उसे कमरे में ले जाकर बारी-बारी से उसके साथ दुष्कर्म किया। घटना के बाद पीड़िता ने हिम्मत जुटाकर देर शाम इरागांव थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। पीड़िता की शिकायत मिलते ही पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल एफआईआर दर्ज की और आरोपियों की तलाश शुरू कर दी। पुलिस की सक्रियता और संवेदनशीलता के चलते सभी पांच आरोपियों को जल्द ही गिरफ्तार कर लिया गया। कोंडागांव के पुलिस अधीक्षक पंकज चंद्रा ने जानकारी देते हुए बताया कि पीड़िता की शिकायत मिलते ही पुलिस ने तत्काल मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू की। पुलिस ने सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है और उन्हें न्यायालय में पेश करने के बाद जेल भेज दिया गया है। गिरफ्तार आरोपियों में दो युवक बालिग हैं, जबकि तीन नाबालिग बताए जा रहे हैं। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की बारीकी से जांच कर रही है और अन्य पहलुओं की भी पड़ताल की जा रही है।

कैलाशनगर के भव्य शिवमंदिर दर्शन हेतु बस सुविधा की मांग, नपा अध्यक्ष ने बीआईओएम प्रबंधन को लिखा पत्र

किरंदुल। नगरपालिक परिषद किरंदुल की अध्यक्ष रूबी शैलेंद्र सिंह ने शुक्रवार बीआईओएम (एनएमडीसी) प्रबंधन को पत्र प्रेषित कर कैलाशनगर स्थित भव्य शिवमंदिर में दर्शन के लिए श्रद्धालुओं को प्रत्येक सोमवार बस सुविधा उपलब्ध कराने का आग्रह किया हैं। पत्र में उल्लेख किया गया हैं कि बीआईओएम किरंदुल क्षेत्र के कैलाशनगर में परियोजना द्वारा भव्य एवं आस्था से परिपूर्ण शिवमंदिर का निर्माण कराया गया हैं,जो क्षेत्र के श्रद्धालुओं के लिए प्रमुख धार्मिक केंद्र बन गया है।यहां प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु भगवान शिव के दर्शन एवं पूजा-अर्चना के लिए पहुंचते हैं। नगरपालिका अध्यक्ष ने बताया कि यदि प्रत्येक सोमवार को श्रद्धालुओं के लिए एक बस की व्यवस्था की जाती है, तो दूर-दराज के भक्तों को मंदिर तक आने-जाने में काफी सुविधा होगी और अधिक लोग भी सहजता से दर्शन कर सकेंगे।अध्यक्ष रूबी शैलेंद्र सिंह ने कहा कि कैलाशनगर का शिवमंदिर क्षेत्र के श्रद्धालुओं की आस्था और विश्वास का प्रतीक बन चुका है। विशेषकर सोमवार के दिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु भगवान शिव के दर्शन के लिए पहुंचते हैं।बस सुविधा उपलब्ध होने से बुजुर्गो, महिलाओं एवं दूर-दराज के भक्तों को काफी राहत मिलेगी।उन्होंने विश्वास जताया कि बीआईओएम प्रबंधन श्रद्धालुओं की भावनाओं का सम्मान करते हुए इस मांग पर सकारात्मक पहल करेगा, जिससे क्षेत्र के लोगों को सीधा लाभ मिल सकेगा।

अंन्तर्राज्यीय अवैध मादक पदार्थ गांजा तस्कर पर केशकाल पुलिस की बड़ी कार्रवाई

कोण्डागांव। पुलिस अधीक्षक पंकज चन्द्रा (भा.पु.से.) के निर्देशानुसार अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कपिल चंद्रा एंव पुलिस अनुविभागीय अधिकारी केशकाल अरूण कुमार नेताम के पर्यवेक्षण में अवैध गांजा, शराब तस्करी बिक्री व असामाजिक तत्व और सार्वजनिक स्थानो पर शराब पीने वाले के विरूद्ध अभियान चलाया जा रहा था अभियान कार्यवाही के दौरान 5 मार्च को मुखबीर से सूचना प्राप्त हुआ की एक काले रंग का वोक्सवैगन कार क्रमांक MH02 BR 0045 में कुछ लोग अवैध मादक पदार्थ गांजा छिपा कर उड़िसा से रायपुर की ओर जगदलपुर केशकाल के रास्ते से जाने वाले है। कि सूचना पर थाना केशकाल के सामने एमसीपी लगाकर उक्त कार का इंतजार किया जा रहा था कुछ समय बाद उक्त कार आने पर रोकने का प्रयास किया गया जो नही रूका और कांकेर की ओर तेज रफ्तार में भागने लगा जिसे हमराह स्टाप गवाह के मय शासकीय वाहन से पीछ किया गया जो घाटी में नही रूकने से पुलिस सहायता केन्द्र दादरगढ के प्रभारी को हालत से अवगत कराते हुए कैम्प के सामने बेरीकेट लगाकर रोकने का प्रयास किया परन्तु बेरीकेटिंग को ठोकर मारते हुए अनियंत्रित होकर रोड से नीचे उतर गया पुलिस के पकड से बचने के लिए वाहन चालक कुद कर भागने लगा जिसे घेराबंद कर पकडे नाम पता पुछने पर अपना नाम शैतान सिंह गौर पिता महावीर सिंह गौर उम्र 28 वर्ष निवासी मुरलिया तहसील बैगुन जिला चितौडगढ राजस्थान का होना बताया जिसे मुखबीर सुचना से अवगत कराते हुए कार की तलाशी लेने पर डिक्की के अंदर 27 पैकेट भूरे रंग के सेलो टेप से पैक किया हुआ कुल जुमला वजन 112.076 किलोग्राम किमती 1120760 रूपये व वोक्सवैगन कार क्रमांक MH02 BR 0045 को बरामद कर आरोपी के विरूद्ध एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्यवाही कर गिरफ्तार कर न्यायालय पेश का न्यायिक अभिरक्षा में भेजा गया है। सम्पूर्ण कार्यवाही मे थाना प्रभारी विकास बघेल सउनि सुरेश मरकाम, प्र0आर. प्रशांत जुर्री, आर. मानिक मरापी, गिरधारी नेताम, कमलेश कंवर, अमित मण्डावी, गोपनीय सैनिक आत्मानंद कुलदीप की अहम भूमिका रही।

किरन्दुल श्री राघव मंदिर में धूमधाम से मनाई गई होली

किरंदुल। लौहनगरी किरंदुल के प्रमुख आस्था का केंद्र श्री राघव मंदिर में बुधवार रंगों का त्योहार होली हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। इस अवसर पर रंग, गुलाल, नगाडे और फाग की धूम रहीं। बच्चे,महिलायें, नवयुवक, बुजुर्ग सभी आयु वर्ग एवं सभी समुदाय के लोगों ने एकता व भाईचारे के प्रतीक इस पर्व का सामूहिक आनंद लिया।

न्याय सुलभता को लेकर लीगल एड डिफेंस कौंसिल के न्याय रक्षकों की हुई मासिक बैठक

कोण्डागांव। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कोण्डागांव किरण चतुर्वेदी की के मार्गदर्शन में सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कोण्डागांव गायत्री साय द्वारा लीगल एड डिफे ंस कौंसिल सिस्टम के न्याय रक्षकों के साथ निगरानी व सलाह समिति की समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। उक्त बैठक में सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कोण्डागांव गायत्री साय, कार्यालय लीगल एड डिफे ंस कौंसिल सिस्टम से डिप्टी प्रभा मिश्रा तथा असिस्टेंट प्रीति विश्वास एवं राकेश कुमार कैवर्त बैठक में उपस्थित रहे। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य विधिक सहायता प्रणाली की प्रभावशीलता की समीक्षा करना, प्रचलित मामलों की निगरानी करना तथा जरूरतमंदों तक निःशुल्क एवं गुणवत्तापूर्वक विधिक सहायता सुनिश्चित करने हेतु आवश्यक सुझाव व निर्देश प्रदान करना एवं भर्ती प्रक्रिया के संबंध में विस्तृत जानकारी प्रदान करना था। बैठक के दौरान सचिव महोदया ने डिफे ंस कार्उसिल के न्याय रक्षकों को विधिक सहायता प्राप्त करने की पात्रता के शर्तो, लीगल एड डिफे ंस कार्उसिल कार्यालय की भूमिका वा दायित्वों के बेहतर निर्वहन के संबंध में तथा अभिरक्षाधीन बंदियों के प्रकरण में प्राथमिकता के साथ पैरवी करने एवं प्रतिमाह जेल निरीक्षण कर बंदियों को विधिक सहायता उपलब्ध कराने के संबंध में चर्चा किया गया।

मनरेगा के माध्यम से रोजगार और आय के नए अवसर

विश्व महिला दिवस विशेष: आजीविका गतिविधियों से आत्मनिर्भर बन रही हैं जिले की महिलाएं

बेमेतरा। विश्व महिला दिवस के अवसर पर जिले में महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से विभिन्न आजीविका आधारित गतिविधियों को प्रोत्साहित किया जा रहा है। जिला प्रशासन के मार्गदर्शन में ग्रामीण क्षेत्रों की महिलाओं को स्थायी आय के अवसर उपलब्ध कराने के लिए महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के अंतर्गत फार्म पॉण्ड (आजीविका तालाब), मत्स्य पालन तथा कृषि आधारित अन्य गतिविधियों को बढ़ावा दिया जा रहा है। जिले में महिलाओं की सक्रिय भागीदारी के परिणामस्वरूप वित्तीय वर्ष 2025-26 में मनरेगा के अंतर्गत महिलाओं द्वारा 15,42,107 मानव दिवस का रोजगार प्राप्त किया गया है, जो कि जिले में सृजित कुल मानव दिवस का लगभग 52.27 प्रतिशत है। यह आंकड़ा ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं की बढ़ती सहभागिता और आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में सकारात्मक संकेत देता है।

रोजगार दिवस पर महिला श्रमिकों का सम्मान-विश्व महिला दिवस के अवसर पर जिले की सभी ग्राम पंचायतों में रोजगार दिवस का आयोजन किया गया। इस दौरान महिला श्रमिकों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से उनका श्रीफल भेंट कर सम्मान किया गया। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित श्रमिकों को क्यूआर कोड आधारित उपस्थिति प्रणाली, मनरेगा श्रम भुगतान व्यवस्था, वीबी ग्रामजी सहित अन्य महत्वपूर्ण विषयों की जानकारी दी गई, ताकि श्रमिकों को योजना से जुड़ी सुविधाओं और प्रक्रियाओं के बारे में बेहतर समझ मिल सके।

सफलता की कहानी : आजीविका डबरी से बढ़ी आय-मनरेगा के अंतर्गत जिले में कई महिलाएं आजीविका गतिविधियों के माध्यम से आर्थिक रूप से सशक्त बन रही हैं। इसका एक प्रेरणादायक उदाहरण जनपद पंचायत नवागढ़ के ग्राम पंचायत अंधियारखोर की भानमती (पति ढ्ढ आशाराम) हैं। भानमती द्वारा मनरेगा के अंतर्गत आजीविका डबरी (फार्म पॉण्ड) का निर्माण कराया गया। इस डबरी में वे मत्स्य पालन का कार्य कर रही हैं, जिससे उन्हें प्रतिवर्ष 50 हजार रुपये से अधिक की आय प्राप्त हो रही है। इसके अलावा डबरी के आसपास की भूमि में वे सब्जी उत्पादन भी कर रही हैं, जिससे उनके परिवार की आय में और वृद्धि हुई है। इस गतिविधि से न केवल उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत हुई है, बल्कि परिवार के जीवन स्तर में भी सकारात्मक बदलाव आया है।

आजीविका गतिविधियों से मिल रहे रोजगार के अवसर-फार्म पॉण्ड, मत्स्य पालन और कृषि आधारित अन्य गतिविधियों के माध्यम से ग्रामीण महिलाओं को रोजगार के नए अवसर प्राप्त हो रहे हैं। कई महिला स्व-सहायता समूह भी इन गतिविधियों से जुड़कर मत्स्य पालन, सब्जी उत्पादन और अन्य आजीविका कार्यों के माध्यम से अपनी आय में वृद्धि कर रहे हैं। इन पहलों के माध्यम से ग्रामीण महिलाएं अब स्वरोजगार की दिशा में आगे बढ़ रही हैं और आर्थिक रूप से अधिक सक्षम बन रही हैं।

महिलाओं को दिया जा रहा प्रशिक्षण और मार्गदर्शन-जिला पंचायत के अनुसार शासन की विभिन्न योजनाओं के माध्यम से महिलाओं को आजीविका गतिविधियों से जोड़ने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। फार्म पॉण्ड और मत्स्य पालन जैसे कार्य जल संरक्षण के साथ-साथ महिलाओं की आय बढ़ाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। महिलाओं को इन गतिविधियों से जोड़ने के लिए उन्हें प्रशिक्षण, तकनीकी मार्गदर्शन तथा आवश्यक सहयोग भी उपलब्ध कराया जा रहा है, जिससे वे इन कार्यों को सफलतापूर्वक संचालित कर सकें।

महिला दिवस अवसर पर जल संरक्षण महाअभियान के रूप में मनाया जायेगा-विश्व महिला दिवस के अवसर पर जिला बेमेतरा में जल संरक्षण महाअभियान चलाने का भी निर्णय लिया गया है। इसके तहत ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं को जल संरक्षण के प्रति जागरूक किया जा रहा है।

इस अभियान के अंतर्गत प्रत्येक ग्रामीण महिला को अपने घर में रिचार्ज पिट अथवा सोखता गड्ढा बनाने के लिए प्रेरित किया जा रहा है, ताकि वर्षा जल का संरक्षण हो सके और भूजल स्तर में सुधार लाया जा सके। महिलाओं की भागीदारी से ही संभव है समग्र विकास 7 विश्व महिला दिवस के अवसर पर यह संदेश दिया गया कि महिलाओं की सक्रिय भागीदारी से ही समाज का समग्र विकास संभव है। शासन की योजनाओं के माध्यम से ग्रामीण महिलाओं को अधिक से अधिक आजीविका गतिविधियों से जोड़कर उन्हें आत्मनिर्भर और सशक्त बनाने की दिशा में लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। जिले में महिलाओं की बढ़ती सहभागिता यह दर्शाती है कि अवसर और सहयोग मिलने पर महिलाएं न केवल अपने परिवार की आर्थिक स्थिति सुधार सकती हैं, बल्कि समाज के विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं।

संक्षिप्त समाचार

बिलासपुर में 10 मार्च को राज्य महिला आयोग की महा जन-सुनवाई

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग द्वारा महिलाओं से संबंधित शिकायतों के त्वरित निराकरण और उन्हें न्याय दिलाने के उद्देश्य से महा जन-सुनवाई सप्ताह का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में 10 मार्च 2026 को बिलासपुर संभाग स्तर पर महा जन-सुनवाई आयोजित की जाएगी। आयोग की अध्यक्ष डॉ. किरणमयी नायक (कैबिनेट मंत्री दर्जा) की अध्यक्षता में गठित न्यायपीठ की उपस्थिति में यह जन-सुनवाई प्रातः 9 बजे से सभाकक्ष प्रार्थना भवन, जल संसाधन विभाग, बिलासपुर में आयोजित होगी। इस अवसर पर आयोग की सदस्य श्रीमती सरला कोसरिया एवं सुश्री दीपिका शोरी भी उपस्थित रहेंगी। छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग अधिनियम की धारा 10(3) के तहत प्रदत्त शक्तियों के अनुसार बिलासपुर संभाग के जिलों से प्राप्त महिलाओं से संबंधित आवेदन एवं शिकायतों की सुनवाई कर उनका निराकरण किया जाएगा। इसके साथ ही जन-सुनवाई में उपस्थित होकर पीड़ित महिलाएं नए प्रकरण भी दर्ज करा सकेंगी, जिन पर आयोग द्वारा आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। उल्लेखनीय है कि महा जन-सुनवाई सप्ताह 8 मार्च से 13 मार्च 2026 तक आयोजित किया जा रहा है, जिसके तहत विभिन्न संभागों में महिलाओं की समस्याओं की सुनवाई कर त्वरित समाधान का प्रयास किया जा रहा है। आयोग द्वारा महिलाओं से अपील की गई है कि वे अपनी समस्याओं के निराकरण हेतु जन-सुनवाई में उपस्थित होकर लाभ उठाएं।

बिलासपुर में 8 मार्च से राज्य स्तरीय कोसा एवं सूती हथकरघा वस्त्र प्रदर्शनी

बिलासपुर। राज्य शासन के ग्रामोद्योग विभाग के अंतर्गत संचालक हथकरघा के सौजन्य से जिला हथकरघा कार्यालय बिलासपुर द्वारा राज्य स्तरीय कोसा एवं कॉटन ऑफ छत्तीसगढ़ हथकरघा वस्त्र प्रदर्शनी सह विक्रय का आयोजन 8 मार्च से 15 मार्च 2026 तक राघवेंद्र राव सभा भवन, कंपनी गार्डन के पास बिलासपुर में किया जा रहा है। प्रदर्शनी का शुभारंभ 8 मार्च को शाम 4 बजे नगर निगम बिलासपुर की महापौर श्रीमती पूजा विधानी द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया जाएगा। प्रदर्शनी में छत्तीसगढ़ के पारंपरिक हथकरघा वस्त्रों की उत्कृष्ट कारीगरी और विविध उत्पादों का प्रदर्शन किया जाएगा। आयोजन का मुख्य उद्देश्य प्रदेश के हथकरघा बुनकरों को उनके उत्पादों के विपणन के लिए बेहतर मंच उपलब्ध कराना तथा आम नागरिकों को पारंपरिक हथकरघा वस्त्रों से सीधे जोड़ना है। इसके माध्यम से उपभोक्ताओं के सुझावों के आधार पर नए डिजाइनों के विकास को भी प्रोत्साहन मिलेगा। साथ ही बुनकरों के लिए रोजगार के अवसरों में वृद्धि होगी तथा महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण को भी बढ़ावा मिलेगा। प्रदर्शनी में रायगढ़, जांजगीर-चांपा, बिलासपुर, चंद्रपुर, धुरी, सिवनी, रामटेला, लोफंदी, बिलाईगढ़ और सोमाडिह जैसे कोसा एवं सूती उत्पादक क्षेत्रों के बुनकर समितियों और प्रतिनिधियों द्वारा भाग लिया जाएगा। प्रदर्शनी में उत्कृष्ट कोसा साड़ियां, कोसा मलमल, कोसा ड्रेस मटेरियल, कोसा सलवार सूट, कोसा बाफ्टा, सूती साड़ियां, कॉटन सूटिंग-शर्टिंग, दुपट्टे, बेडशीट, बेड कवर, पिलो कवर, टॉवेल, नेपकिन और गमछा सहित विभिन्न आकर्षक वस्त्र उत्पाद उपलब्ध रहेंगे। प्रदर्शनी के नोडल अधिकारी एवं उपसंचालक हथकरघा बिलासपुर श्री डी धकाते ने बताया कि यह प्रदर्शनी 8 मार्च से 15 मार्च 2026 तक प्रतिदिन सुबह 11 बजे से रात 10 बजे तक आम नागरिकों के लिए खुली रहेगी। उन्होंने नागरिकों से प्रदर्शनी में पहुंचकर छत्तीसगढ़ की पारंपरिक बुनाई कला और हस्तनिर्मित वस्त्रों का अवलोकन कर बुनकरों को प्रोत्साहित करने की अपील की है।

मेहनत, अनुशासन और निरंतर अभ्यास ही सफलता की असली कुंजी हैं- मिताली राज

एसईसीएल मुख्यालय में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस 2026 का आयोजन, भारतीय महिला क्रिकेट टीम की पूर्व कप्तान मिताली राज ने साझा किए सफलता के मंत्र

बिलासपुर। एसईसीएल मुख्यालय में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस 2026 के अवसर पर एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम विप्स (वीमेन इन पब्लिक सेक्टर) के तत्वावधान में एसईसीएल ऑडिटोरियम में सम्पन्न हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में महिला अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में पद्मश्री और अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित तथा भारतीय महिला क्रिकेट टीम की पूर्व कप्तान और प्रसिद्ध क्रिकेटर सुश्री मिताली राज मुख्य वक्ता के रूप में शामिल हुईं। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में एसईसीएल अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक श्री हरीश दुहन तथा एसईसीएल परिवार की प्रथम महिला एवं श्रद्धा महिला मंडल की अध्यक्षा श्रीमती शशि दुहन उपस्थित रहीं। इस अवसर पर एसईसीएल के निदेशक (तकनीकी/संचालन) श्री एन. फ्रैंकलिन जयकुमार, निदेशक (मानव संसाधन) श्री बिरंची दास, निदेशक (वित्त) श्री डी. सुनील कुमार, मुख्य सतर्कता अधिकारी श्री हिमांशु जैन श्रद्धा महिला मंडल की सम्मानित उपाध्यक्षगण श्रीमती अनीता फ्रैंकलिन, श्रीमती इप्सिता दास, श्रीमती हसीना कुमार, श्रीमती विनीता जैन तथा श्रीमती शुभश्री महापात्र विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। इसके अलावा विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष एवं बड़ी संख्या में महिला अधिकारी-कर्मचारी कार्यक्रम में शामिल हुए। इस अवसर पर आयोजित फायरसाइड चैट में पद्मश्री, अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित एवं भारतीय महिला क्रिकेट टीम की पूर्व कप्तान मिताली राज ने अपने अनुभव साझा किए। इस संवाद का संचालन एसईसीएल के निदेशक (मानव संसाधन) श्री बिरंची दास ने किया। अपने प्रेरक विचार रखते हुए मिताली राज ने कहा कि आज महिला क्रिकेट ने लंबा

सफर तय किया है और अब यह पुरुष क्रिकेट के समान पहचान और सम्मान प्राप्त कर रहा है। उन्होंने कहा कि जब उन्होंने अपने करियर की शुरुआत की थी, तब परिस्थितियाँ बिल्कुल अलग थीं और महिलाओं के लिए अपने लिए जगह बनाना आसान नहीं था। उन्होंने बताया कि उस दौर में आगे बढ़ने के लिए मानसिक रूप से मजबूत रहना, अपनी सीमाओं को लगातार आगे बढ़ाना और हर चुनौती का डटकर सामना करना बेहद जरूरी था। सफलता के लिए अनुशासन, कड़ी मेहनत और नियमित प्रशिक्षण की भूमिका को भी उन्होंने महत्वपूर्ण बताया। मिताली राज ने युवाओं, विशेषकर महिलाओं को संदेश देते हुए कहा कि वे अपने सपनों को पाने के लिए हमेशा तैयार रहें, पूरी निष्ठा से अभ्यास करें, अपने भीतर जज्बा और संघर्ष की भावना बनाए रखें तथा किसी भी परिस्थिति में हार न मानें। अगर आप अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित हैं और हर दिन खुद को बेहतर बनाने की कोशिश करते हैं, तो सफलता निश्चित रूप से आपके कदम चूमेगी। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस की शुभकामनाएँ देते हुए अपने संबोधन में मुख्य अतिथि एसईसीएल सीएमडी श्री हरीश दुहन ने कहा कि आज महिलाओं के लिए अवसरों के नए द्वार खुल रहे हैं और अब समय है कि महिलाएँ आगे आकर नेतृत्व की भूमिका निभाएँ। उन्होंने कहा कि एसईसीएल में नारीशक्ति का योगदान निरंतर बढ़ रहा है और संगठन महिलाओं को आगे बढ़ाने के लिए कई पहल कर रहा है। उन्होंने कहा कि चाहे कोल इंडिया की पहली पूर्णतः महिला संचालित डिस्पेंसरी हो, महिला संचालित सेंट्रल स्टोर यूनिट की स्थापना हो या फिर सीएसआर के माध्यम से एसईसीएल के सुश्रुत योजना के तहत युवाओं को डॉक्टर बनने का अवसर प्रदान करना—एसईसीएल महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

बिलासपुर झारसुगुड़ा 206 किमी चौथी रेल लाइन परियोजना हो रहा पूर्णता की ओर अग्रसर

बिलासपुर। रेल अधोसंरचना के सुदृढ़ीकरण तथा ट्रेनों के सुरक्षित, तीव्र एवं सुचारु परिचालन को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में नई रेल लाइनों के निर्माण, दोहरीकरण तथा तृतीय एवं चतुर्थ रेल लाइन परियोजनाओं पर तीव्र गति से कार्य किया जा रहा है। इसी क्रम में बिलासपुर झारसुगुड़ा रेलखंड के मध्य लगभग 206 किलोमीटर लंबी विद्युतीकृत चौथी रेल लाइन परियोजना को चरणबद्ध तरीके से पूर्ण किया जा रहा है। यह रेलखंड हावड़ा मुंबई ट्रंक लाइन पर अवस्थित एक अत्यंत महत्वपूर्ण एवं व्यस्त मार्ग है। इस महत्वाकांक्षी परियोजना के अंतर्गत अब तक लगभग 180 किलोमीटर चौथी रेल लाइन का निर्माण कार्य पूर्ण किया जा चुका है, जिससे इस रेलखंड पर क्षमता विस्तार का लक्ष्य तेजी से साकार हो रहा है। इसी परियोजना के अंतर्गत सारागांव देवरी बाराद्वार जेठा सक्ती स्टेशनों के मध्य 22.2 किलोमीटर लंबी नई विद्युतीकृत चौथी रेल लाइन का निर्माण कार्य सफलतापूर्वक पूर्ण कर लिया गया है। इंटरलॉकिंग सहित सभी आवश्यक तकनीकी कार्यों की पूर्णता के पश्चात दक्षिण पूर्व सर्किल के आयुक्त, रेलवे सेफ्टी (सीआरएस) श्री बी.के. मिश्रा द्वारा दिनांक 05 एवं 06 मार्च 2026 को इस रेलखंड का निरीक्षण किया गया। सभी परीक्षण एवं औपचारिकताओं के संतोषजनक पाए जाने के पश्चात आयुक्त, रेलवे सेफ्टी द्वारा इस नई चौथी रेल लाइन पर रेल परिचालन के लिए अधिकृत प्रदान कर दिया गया है। इस अनुमति के साथ ही उक्त रेलखंड पर सवारी एवं मालगाड़ियों के सुरक्षित एवं नियमित परिचालन का मार्ग प्रशस्त हो गया है। हावड़ा मुंबई ट्रंक लाइन पर स्थित इस महत्वपूर्ण रेलखंड में चौथी रेल लाइन की कमीशनिंग से ट्रेन परिचालन में गतिशीलता आएगी तथा ट्रेनों का समयबद्ध संचालन सुनिश्चित होगा। इसके साथ ही इस क्षेत्र के उद्योग एवं व्यापार को नई गति मिलेगी तथा रोजगार के अवसरों में भी वृद्धि होगी। इसके अतिरिक्त, इस व्यस्त मार्ग पर बढ़ते यातायात को सुचारु रूप से संचालित करने में भी यह परियोजना महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

बेलतरा विधानसभा क्षेत्र के अशोक नगर से जो शिकायतें सामने आ रही हैं, वे प्रशासन के लिए गंभीर चेतावनी हैं : अंकित गौरहा

बिलासपुर। बेलतरा विधानसभा क्षेत्र के अशोक नगर से जो शिकायतें सामने आ रही हैं, वे प्रशासन के लिए गंभीर चेतावनी हैं। महिलाओं, और बच्चों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। अशोक नगर में असामाजिक तत्वों से दहशत, महिलाओं ने मांगी पुलिस सुरक्षा शहर के अशोक नगर क्षेत्र में बढ़ती असामाजिक गतिविधियों से परेशान रहवासियों ने पुलिस प्रशासन से सुरक्षा की मांग की है। इलाके में रहने वाली लक्ष्मी केवट नाम की महिला ने पुलिस को आवेदन देकर बताया कि कुछ युवक आए दिन मोहल्ले में उत्पात मचाते हैं, जिससे खासकर महिलाएं और बच्चे भय के माहौल में रहने को मजबूर हैं। आवेदन में आरोप लगाया गया है कि क्षेत्र में कुछ युवक लड़कियों के साथ अभद्र व्यवहार करते हैं और महिलाओं से गाली-गलौज करते हैं। साथ ही इलाके में नशाखोरी, शराबखोरी और चाकूबाजी जैसी घटनाएं भी सामने आती रहती हैं, जिससे स्थानीय लोगों में असुरक्षा का माहौल बना हुआ है। महिला ने बताया कि इन गतिविधियों के कारण मोहल्ले के छोटे बच्चों पर भी बुरा प्रभाव पड़ रहा है। आरोप है कि कुछ युवक बच्चों को भी नशे की ओर धकेलने का प्रयास कर रहे हैं, जिससे अभिभावकों में गहरी चिंता व्याप्त है। पीड़िता के अनुसार कई बार पुलिस को फोन कर सूचना देने के बावजूद समय पर मदद नहीं मिल पाती, जिसके कारण क्षेत्र के लोग खुद को असुरक्षित महसूस कर रहे हैं। मोहल्लेवासियों ने प्रशासन से मांग की है कि अशोक नगर क्षेत्र में नियमित पुलिस गश्त बढ़ाई जाए और सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के लिए प्रमुख स्थानों पर सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएं।

बालको की उन्नति परियोजना ने बदली जिंदगी, गंगोत्री से मशरूम दीदी बनने का सफर

कोरबा। वेदांता समूह की कंपनी भारत एल्यूमिनियम कंपनी लिमिटेड (बालको) अपनी सामुदायिक विकास परियोजना 'उन्नति' के अंतर्गत स्व-सहायता समूह की महिलाओं को आर्थिक आत्मनिर्भरता की दिशा में सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। इन्हीं में से एक प्रेरक कहानी लालघाट क्षेत्र की निवासी गंगोत्री विश्वकर्मा की है, जिन्होंने रोज की मजदूरी से निकलकर मशरूम उत्पादन के जरिये आत्मनिर्भरता की नई पहचान बनाई। बालको के सामुदायिक विकास सहयोग और प्रशिक्षण से आज 'मशरूम दीदी' न सिर्फ अपने परिवार को संबल दे रही हैं, बल्कि अन्य महिलाओं के लिए भी आत्मनिर्भरता की राह खोल रही हैं। गंगोत्री जी ने बताया कि कुछ साल पहले तक उनकी जिंदगी रोज की मजदूरी के सहारे चलती थी। सुबह काम मिले तो चूल्हा जले, नहीं मिले तो बच्चों के चेहरे देखकर मन भीतर ही भीतर टूट जाता था। भविष्य की चिंता हर रात नींद छीन लेती थी। लेकिन वर्ष 2019 उनकी जिंदगी का सबसे बड़ा मोड़ बनकर आया। इसी साल उन्नति परियोजना के माध्यम से जय मां हर्षिता स्व सहायता समूह से जुड़कर, मशरूम उत्पादन का प्रशिक्षण लिया। उस दिन मैंने महसूस किया कि शायद मेरी मेहनत भी किसी दिन अपनी पहचान बना सकती है। बालको के सहयोग से मिले प्रशिक्षण के बाद मैंने उसी वर्ष मशरूम की खेती शुरू की। शुरुआत में 16 बैग लगाए थे। मन में बहुत उम्मीदें थीं, लेकिन जब फसल आई तो सिर्फ 2 बैग में ही मशरूम उगे।

शिकायत के एक महीने बाद भी कार्रवाई नहीं, शिक्षा विभाग पर उठे बड़े सवाल.....

बिलासपुर। जिला शिक्षा विभाग में फिर उठे सवाल अनुकंपा नियुक्ति को लेकर कथित फर्जीवाड़े का मामला अब संभागीय स्तर तक पहुंच गया है। वरिष्ठ कांग्रेस नेता अंकित गौरहा ने संयुक्त संचालक शिक्षा विभाग आरपी आदित्य से मुलाकात कर पूरे प्रकरण की निष्पक्ष और शीघ्र जांच कराने की मांग की है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जांच में देरी हुई या मामले को दबाने की कोशिश की गई तो वह इस मुद्दे को हाईकोर्ट तक ले जाएंगे।संयुक्त संचालक से मुलाकात के दौरान गौरहा ने बताया कि उन्होंने लगभग एक माह पूर्व संभागायुक्त और संयुक्त संचालक शिक्षा विभाग को लिखित शिकायत देकर जांच की मांग की थी, लेकिन अब तक न तो शिकायत का कोई जवाब मिला और न ही किसी प्रकार की कार्रवाई की गई।उन्होंने कहा कि यदि मामले में लापरवाही बरती गई तो जिम्मेदार अधिकारियों को न्यायालय में जवाब देना होगा। अंकित गौरहा ने आरोप लगाया कि जिला शिक्षा विभाग में एक दर्जन से अधिक अनुकंपा

नियुक्ति प्रकरणों में गंभीर अनियमितताएं सामने आई हैं। आरोप है कि पात्र आवेदकों को दरकिनार कर अपात्र लोगों को नौकरी दी गई और इस पूरी प्रक्रिया में कथित तौर पर भारी लेन-देन हुआ है। गौरतलब है कि इस मामले में पहले भी केंद्रीय मंत्री तोखन साहू द्वारा कलेक्टर को जांच के निर्देश दिए गए थे। कलेक्टर के आदेश के बाद जिला शिक्षा अधिकारी ने अपने स्तर पर जांच के निर्देश जारी किए थे, लेकिन उस जांच प्रक्रिया को लेकर भी सवाल उठाए जा रहे हैं। गौरहा ने कहा कि जिस मामले में जिला शिक्षा अधिकारी और स्थापना शाखा के बाबू सुनील यादव पर आरोप लगाए गए हैं, उसकी जांच ब्लॉक शिक्षा अधिकारी से कराना तकनीकी रूप से उचित नहीं है। उन्होंने कहा कि जिला स्तर के अधिकारियों की जांच संभागीय स्तर की टीम से कराई जानी चाहिए, ताकि जांच निष्पक्ष और पारदर्शी हो सके। गौरहा ने यह भी आरोप लगाया कि कुछ मामलों में अन्य जिलों के आवेदकों को भी अनुकंपा नियुक्ति दी गई है, जो नियमों के खिलाफहै। उन्होंने पूरे मामले की व्यापक जांच की मांग की। संयुक्त संचालक शिक्षा विभाग आरपी आदित्य ने कहा कि वह हाल ही में लंबी छुट्टी से लौटे हैं और संभव है कि शिकायत पत्र उनके संज्ञान में नहीं आया हो। उन्होंने तत्काल दोनों शिकायत पत्र मंगवाकर मामले की समीक्षा करने की बात कही। उन्होंने आश्वासन दिया कि मामला गंभीर है और इसकी जांच के लिए जल्द ही एक टीम गठित की जाएगी।

एनटीपीसी सीपत में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस 2026 का आयोजन

बिलासपुर। एनटीपीसी सीपत में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस 2026 का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर सीपत परियोजना में कार्यरत सभी महिला कर्मचारियों एवं असोशिएट एजेंसियों के साथ कार्यरत महिला कर्मचारियों के कार्यों एवं लगातार विकास के मार्ग पर योगदान देने के लिए उन्हें सराहा गया और उनके कार्यों को याद किया गया। इसके अलावा, सॅंविदा महिला श्रमिकों के द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना की गई और उन्हें स्मृति चिन्ह भेंट कर इस विशेष दिवस की शुभकामनाएं प्रेषित की गईं। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में श्री स्वपन कुमार मंडल, परियोजना प्रमुख, एनटीपीसी सीपत एवं विशिष्ट अतिथि श्रीमती फैजिया मिर्ज़ा, वरिष्ठ अधिवक्ता, छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय, बिलासपुर की उपस्थिति रही। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर सभी विभागों की महिलाओं ने न केवल अपनी कर्तव्यनिष्ठ व्यक्त की बल्कि एक सशक्त महिला होने और गौरवान्वनित होने का परिचय दिया। इस दौरान, विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली महिला कर्मचारियों को प्रशस्ति पत्र भी सौंपा गया। कार्यक्रम के माध्यम से कई महिला कर्मचारियों ने कविताओं, गीत, नृत्य जैसे माध्यमों से प्रस्तुति देकर यह भी संदेश दिया कि वे न केवल इंजीनियर, डॉक्टर और विभिन्न एनटीपीसी सीपत के विभागीय कार्यों में अपनी हिस्सेदारी दे रही हैं, बल्कि विभिन्न नवोन्मेषी और कलापूर्ण कार्यों में भी अग्रणी भूमिका निभाते हुए देश के विकास की गौरवगाथा लिख रही हैं। इस अवसर पर संबोधित करते हुए परियोजना प्रमुख स्वपन कुमार मंडल ने इस वर्ष की थीम 'गिव टु गेन' पर चर्चा की और कहा कि आज की महिलाएं न केवल एक सशक्त समाज का निर्माण कर रही हैं, बल्कि देश के विकास में अपना पूर्ण योगदान दे रही हैं। वे आज विभिन्न विभागों जैसे प्रचालन एवं अनुरक्षण, सेफ्टी, इंजीनियरिंग और आईटी जैसे विभागों में कदम रखते हुए अपना लोहा मनवा रही हैं और यह सिद्ध कर रही हैं कि एक विकसित राष्ट्र का निर्माण करने में महिलाओं का योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण है। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि मुख्य अतिथि श्रीमती फैजिया मिर्जा ने एनटीपीसी सीपत द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के इस कार्यक्रम को सराहा और अपने संबोधन में महिलाओं के आर्थिक एवं सामाजिक रूप से स्वतंत्र होने, महिला अधिकारों और उनके सही उपयोग की चर्चा करते हुए अपने जीवन के इस मुकाम तक पहुंचने के अनुभव को साझा किया। साथ ही उन्होंने एनटीपीसी की महिलाओं के प्रति कई नीतियों की जानकारी ली और उसकी सराहना भी की। उन्होंने एनटीपीसी सीपत द्वारा गर्भवती महिला कर्मचारियों के लिए चलाई जा रही कल्याणी योजना की भी विशेष सराहना की और कहा कि ऐसी योजनाएं व्यापक रूप से विभिन्न संस्थानों में भी लागू होनी चाहिए। इस अवसर पर सुश्री कोमल कृति उराव, पुत्री एस. आर. उराव, वरिष्ठ प्रबंधक, एनटीपीसी सीपत, को छत्तीसगढ़ राज्य न्यायिक सेवा परीक्षा 2024 25 में सिविल जज (जूनियर डिवीजन) के रूप में चयनित होने पर सम्मानित भी किया गया। कार्यक्रम को एनटीपीसी सीपत परिवार की महिला कर्मचारियों द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने और भी जीवंत एवं यादगार बना दिया। इस अवसर पर सुरोजित सिन्हा, महाप्रबंधक (प्रचालन एवं अनुरक्षण), अशोक सरकार, महाप्रबंधक (प्रचालन एवं एफएम), विकास खरे, महाप्रबंधक (इंजीनियरिंग) एवं अन्य विभागाध्यक्ष गण. वरिष्ठ अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

कोकराझार लोकसभा क्षेत्र में केंद्रीय राज्यमंत्री तोखन साहू ने डाला डेरा, भाजपा कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा

बिलासपुर। असम के कोकराझार लोकसभा क्षेत्र के प्रवास पर पहुंचे भारत सरकार के केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य राज्यमंत्री तोखन साहू ने क्षेत्र में डेरा डालकर भारतीय जनता पार्टी के संगठन को मजबूत करने के उद्देश्य से कार्यकर्ताओं के साथ व्यापक संवाद किया। उनके इस प्रवास से भाजपा पदाधिकारियों, बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं और समर्थकों में विशेष उत्साह देखने को मिला। प्रवास के दौरान श्री साहू ने चिरांग जिले के बिजनी विधानसभा क्षेत्र सहित आसपास के क्षेत्रों में भाजपा पदाधिकारियों, बूथ कार्यकर्ताओं तथा एनडीए के सहयोगी दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठकें कीं और संगठनात्मक गतिविधियों को और सशक्त बनाने पर चर्चा की। अपने संबोधन में केंद्रीय राज्यमंत्री ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी आज विश्व का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक राजनीतिक संगठन बन चुकी है। देशभर में 18 करोड़ से अधिक सदस्य और 11 लाख से अधिक सक्रिय बूथ संगठन पार्टी की ताकत का प्रमाण हैं।

8 मार्च के दिन क्यों मनाया जाता है महिला दिवस

दुनिया भर में हर साल 8 मार्च को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस मनाया जाता है। यह दिन महिलाओं के अधिकार, समानता और सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के साथ किसी भी क्षेत्र में महिलाओं के साथ होने वाले भेदभाव को रोकने के उद्देश्य से मनाया जाता है। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस को मनाने के लिए हर साल एक नई थीम भी रखी जाती है। ऐसे में यह जानना जरूरी हो जाता है कि आखिर अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस को मानने के लिए 8 मार्च के दिन को ही क्यों चुना गया, आखिर क्या है इसका इतिहास, महत्व और थीम।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस का इतिहास

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाने की शुरुआत 1900 के दशक में हुई थी। 1908 में, 15,000 महिलाओं ने न्यूयॉर्क शहर में बेहतर कामकाजी परिस्थिति, उचित वेतन और वोट देने के अधिकार की मांग करते हुए एक मार्च निकाला। जिसके बाद पहला अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस 19 मार्च 1911 को ऑस्ट्रिया, डेनमार्क, जर्मनी और स्विट्जरलैंड में मनाया गया था, लेकिन 8 मार्च 1917 को रूसी महिलाओं के हड़ताल के बाद महिला दिवस की तारीख को बदलकर 8 मार्च कर दिया गया। तब से, 8 मार्च अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस की वैश्विक तारीख बन गई । जिसके बाद साल 1975 में संयुक्त राष्ट्र ने आधिकारिक तौर पर इस दिन को 8 मार्च को मनाने की मान्यता दी।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस समारोह के उद्देश्य

दुनिया भर में महिलाओं की उपलब्धियों का जश्न मनाना। महिलाओं के अधिकारों और लैंगिक समानता के बारे में जागरूकता बढ़ाना। लैंगिक समानता प्राप्त करने की दिशा में ठोस प्रयासों में तेज़ी लाना। लैंगिक समानता और महिला अधिकारों के लक्ष्य के प्रति व्यक्तियों, समुदायों और राष्ट्रों को प्रेरित करना। दुनिया भर में महिलाओं के बीच एकजुटता और एकता की भावना को बढ़ावा देना।

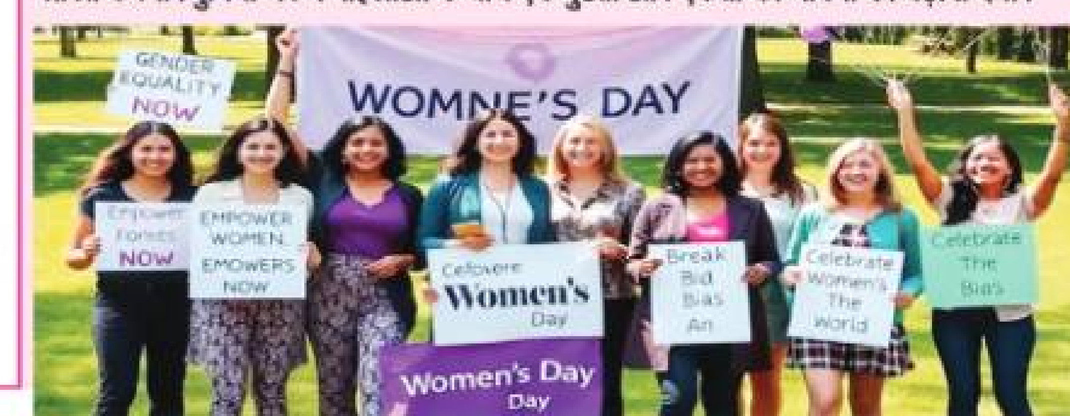

ड्राइंग रूम में वास्तु के नियमों का करें पालन

सनातन धर्म में सुखी और खुशहाल जीवन के लिए वास्तु के नियमों का पालन करने की सलाह दी जाती है। वास्तु में किचन, पूजाघर, बेडरूम समेत घर के सभी कमरों में वास्तु की कुछ बातों को ध्यान रखना जरूरी माना गया है। मान्यता है कि घर का वास्तु सही होने से जीवन में सुख-समृद्धि और खुशियों का आगमन होता है। पारिवारिक जीवन में किसी भी तरह की समस्याओं का सामना नहीं करना पड़ता है और परिवार के सदस्यों को तरक्की के मार्ग पर आगे बढ़ने में काफी मदद मिलती है। वास्तु के अनुसार, ड्राइंग रूम यानी बैठक कक्ष में वास्तु के नियमों का पालन करने के साथ तस्वीरों को लगाते समय कुछ खास बातों का ध्यान रखना चाहिए। नेगेटिविटी दर्शाने वाली तस्वीरें जीवन में नकारात्मकता फैला सकती हैं। आइए जानते हैं कि ड्राइंग में किन तस्वीरों को लगाना चाहिए?

- पारिवारिक जीवन में सुख-शांति और खुशियों के आगमन के लिए ड्राइंग रूम में परिवार के प्रत्येक सदस्यों के साथ हंसते-मुस्कुराते हुए फैमिली की तस्वीर लगा सकते हैं।
- घर में ताजमहल, रोते हुए बच्चे, हिंसक जानवर वाली तस्वीरें नहीं लगाना चाहिए। वहीं, कुछ तस्वीरों को ड्राइंग रूम में लगाना सुख-समृद्धिदायक माना गया है।

- वास्तु के अनुसार, इस तस्वीर को हमेशा दक्षिण-पश्चिम दिशा में लगाएं। मान्यता है कि इससे रिश्तों में मिठास बढ़ती है और गृह-क्लेश से मुक्ति मिलती है।
- वास्तु एक्सपर्ट से सलाह लेकर ड्राइंग रूम में समुद्र किनारे दौड़ते हुए 7 घोड़े की तस्वीर को पूर्व दिशा में लगा सकते हैं। मान्यता है कि इससे कार्यों की बाधाएं दूर होती है और तरक्की करने के कई अवसर प्राप्त होते हैं।
- वास्तु के अनुसार, ड्राइंग रूम में घर के मुखिया के बैठने के स्थान के पीछे सुंदर पहाड़ या उड़ते हुए पक्ष की तस्वीर लगा सकते हैं। कहा जाता है कि यह तस्वीरें आत्मबल और मनोबल बढ़ाती है।
- लिविंग रूम में उगते हुए सूरज, फल या फूलों की तस्वीरें पूर्व दीवार पर लगा सकते हैं। मान्यता है कि इससे पारिवारिक जीवन में खुशियां आती हैं।
- अगर आप ड्राइंग रूम में देवी-देवता की तस्वीर लगाना चाहते हैं, तो इसे घर के पूर्व-उत्तर दीवार पर लगा सकते हैं।
- वास्तु के अनुसार, घोसले में अपने बच्चों के साथ बैठी हुई चिड़िया की तस्वीर ड्राइंग रूम में लगाना बेहद शुभ होता है। मान्यता है कि इससे पारिवारिक जीवन में सुख-शांति और खुशियां बरकरार रहती है।

बालों को लंबा करने में पोषक तत्वों का करें इस्तेमाल

बाल नेचुरल तौर पर लंबे होते हैं, लेकिन अगर हेयर पर ध्यान न दिया जाए तो बालों की ग्रोथ रुक सकती है। ऐसे में कुछ चीजें बालों को लंबा करने में बेहद कारगर साबित हो सकते हैं। जब बालों पर पोषक तत्वों से भरपूर चीजों का इस्तेमाल करते हैं तो हेयर फॉलिकल्स के फायदा मिल सकता है। यहां पर कुछ ऐसे पौधों के बारे में बता रहे हैं जो बालों को लंबा करने में खूब फायदेमंद साबित हो सकते हैं। देखिए उन पौधों का नाम और कैसे करें इनका इस्तेमाल।

एलोवेरा :- एलोवेरा का पौधा घर में आसानी से लगाया जा सकता है। ये बाल और स्किन दोनों के लिए काफी ज्यादा फायदेमंद होता है। यह बालों की ग्रोथ बढ़ाने के साथ ही बालों को मजबूत बनाने, स्कैल्प का पीएच बैलेंस करने, स्कैल्प को मॉइश्चर देने और बालों को चमकदार बनाने में भी कारगर होता है। इसे बालों पर लगाने के लिए एक पत्ता लें और बीच से काट लें और चम्मच से जेल निकालें। इसे नारियल या जैतून के तेल में मिलाएं और मिश्रण को सीधे अपने स्कैल्प पर लगाएं। इसे एक घंटे तक लगा रहने दें। फिर माइल्ड शैम्पू से धो लें।

गुड़हल :- गुड़हल का फूल बालों को कई फायदे देता है। इसमें फ्लेवोनॉइड्स और अमीनो एसिड्स होते हैं जो हेयर ग्रोथ को बढ़ाने का काम करते हैं। जिन लोगों के बाल पतले हैं, वह इसका इस्तेमाल जरूर करें। इस फूल का इस्तेमाल कई तरीकों से किया जा सकता है। गुड़हल के फूल के साथ आप आंवला मिलाकर लगा सकते हैं। इसके लिए गुड़हल के फूल पत्तों को बराबर मात्रा में लें और फिर इसमें आधा आंवला मिला लें। तीनों चीजों को एक साथ पीसकर पेस्ट बनाएं और इस हेयर मास्क को बालों पर लगाएं। आधे घंटे तक लगा रहने दें और फिर बालों को धो लें।

रोजमेरी :- रोजमेरी बालों के लिए काफी फायदेमंद है। इसका तेल बालों पर इस्तेमाल कर सकते हैं। रोजमेरी ऑयल में ऐसे एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं, जो बालों की ग्रोथ को तेज करने में मदद करते हैं और स्कैल्प में ब्लड सर्कुलेशन बढ़ाकर बालों की जड़ों को मजबूत बनाने में मदद करते हैं। इसका इस्तेमाल करने के लिए नारियल तेल को धीमी आंच पर हल्का गर्म करें और फिर इसमें रोजमेरी की पत्तियां डालें और 5-10 मिनट तक धीमी आंच पर पकने दें। तेल को ठंडा करें और छान लें। फिर इसका इस्तेमाल बालों पर करें। आप रोजमेरी की पत्तियों से हेयर ग्रोथ सीरम भी बना सकते हैं।

रोजाना अंगूर खाने से सेहत के फायदे

अंगूर छोटे जरूर होते हैं, लेकिन इनका असर बड़े-बड़े सुपरफूड्स से कम नहीं! कुछ लोग मीठे हरे अंगूर पसंद करते हैं, तो कुछ को काले अंगूर ज्यादा हेल्दी लगते हैं, लेकिन असली सवाल ये है कि सेहत के लिए कौन-से अंगूर ज्यादा फायदेमंद हैं? क्या काले अंगूर ज्यादा ताकतवर होते हैं या हरे अंगूर हल्के और हेल्दी होते हैं अगर आप भी इस कन्फ्यूजन में हैं, तो चिंता मत कीजिए! आज हम आपको दोनों के फायदों के बारे में बताएंगे और यह भी कि आपकी सेहत के हिसाब से कौन-से अंगूर सही रहेंगे।

अंगूर हल्के खट्टे-मीठे स्वाद के होते हैं और इनका सेवन शरीर के लिए कई तरह से फायदेमंद होता है।

<u>वजन कम करने में मददगार :</u> हरे अंगूर में कैलोरी कम और फाइबर ज्यादा होता है, जिससे वजन कंट्रोल में रहता है।

<u>पेट के लिए फायदेमंद :</u> इनमें नेचुरल एंटीऑक्सिडेंट्स होते हैं, जो पाचन को बेहतर बनाते हैं और कब्ज की समस्या दूर करते हैं।

<u>हार्ट के लिए अच्छे :</u> हरे अंगूर में पोटैशियम अधिक होता है, जो ब्लड प्रेशर कंट्रोल में मदद करता है और हार्ट को हेल्दी रखता है।

<u>डायबिटीज के मरीजों के लिए सही :</u> इनमें शुगर की मात्रा कम होती है, जिससे डायबिटीज के मरीज भी इनका सेवन कर सकते हैं।

स्ट्रेस की वजह से भी हो सकता है सिर में दर्द

सिरदर्द रोजमर्रा की जिंदगी में होने वाली एक आम समस्या है। यह कई कारणों से हो सकता है। कई बार थकान, सर्दी-जुकाम, नींद की कमी या माइग्रेन सिरदर्द का कारण बनता है। वहीं, स्ट्रेस की वजह से भी सिरदर्द हो सकता है। आपने अक्सर यह सुना होगा या कहा होगा कि टेंशन के मारे सिर दर्द से फटा जा रहा है। वाकई टेंशन की वजह से सिरदर्द हो सकता है, लेकिन इसके लक्षण आमतौर पर होने वाले सिरदर्द से अलग होते हैं। आप कैसे पहचान सकते हैं कि आपको स्ट्रेस की वजह से सिरदर्द हो रहा है, चलिए इस बारे में डॉक्टर से जानते हैं।

स्ट्रेस की वजह से सिरदर्द होना काफी आम है। इसे टेंशन हेडेक या तनाव का सिरदर्द भी कहा जाता है। अगर आप इसके शुरुआती लक्षणों को पहचान लें, तो स्ट्रेस को मैनेज करने में मदद मिल सकती है। जब सिरदर्द, तनाव की वजह से होता है, तो इसमें आमतौर पर माथे, कनपटी या सिर के पिछले हिस्से में हल्का दर्द होता है। तनाव की वजह से होने वाला सिरदर्द, सिर के चारो ओर एक बैंड जैसा दबाव बनाता है। यह दर्द हल्के से लेकर मध्यम तक हो सकता है। यह लगातार बना रहता है। इसमें एकदम से तेज दर्द नहीं उठता है, बल्कि ऐसा लगता है कि जैसे कोई सिर को निचोड़ रहा है। यह कुछ घंटों से लेकर पूरे दिन तक बना रह सकता है। यह दर्द लंबे समय तक मेंटल या इमोशनल स्ट्रेस में रहने की वजह से होता है। नींद की कमी, एंग्जायटी या खराब पॉश्चर भी इस दर्द की वजह बन सकता है। आमतौर पर यह धीरे-धीरे विकसित होता है और दिन बीतते-बीतते तेज होने लगता है। माइग्रेन की तरह, स्ट्रेस की वजह से होने वाले दर्द में उल्टी जैसा महसूस नहीं होता है और न ही इसमें लाइट और साउंड की तरफ सेंसिटिविटी होती है। हालांकि, इस दर्द में गर्दन और कंधों में तनाव महसूस हो सकता है। स्ट्रेस की वजह से होने वाले सिरदर्द को मैनेज करने के लिए, आराम करना, पानी पीना और स्ट्रेस को कम करने के लिए, डीप ब्रीदिंग और मेडिटेशन का सहारा लेना चाहिए। अगर आपको अक्सर तनाव की वजह से सिरदर्द होता है, तो डॉक्टर की सलाह जरूर लें।

बदलते मौसम में खांसी-जुकाम से निपटने के उपाय

गर्मियां शुरू होने वाली है। दिन में होने वाली तेज धूप को देखते हुए बहुत से लोगों ने स्वेटर पहनना भी बंद कर दिया है और गर्मियों के कपड़े पहनना शुरू कर दिया है। यही वजह है कि ज्यादातर लोग बदलते मौसम में सीजनल बीमारियां हो रही हैं। सुबह शाम की ठंड और दिन की धूप के चलते बहुत लोग खांसी और जुकाम के शिकार हो रहे हैं। इससे निपटने के लिए एंटीबायोटिक दवाइयां खाई जाती हैं, लेकिन ये सेहत को नुकसान पहुंचाती हैं। इसलिए बेहतर है कि आप कुछ घरेलू नुस्खों को अपनाकर सर्दी, खांसी, फ्लू, गले की खराश को ठीक कर लें।

बहुत फायदेमंद हैं नमक के पानी के गरारे

नमक के पानी से गरारा करने से रेस्पिरेट्री इनफेक्शन से बचा जा सकता है। यह सर्दी-खांसी जुकाम के लक्षणों को भी कम करने में मदद करता है। अगर आप रोजाना नमक के पानी के गरारे करते हैं तो गले में मौजूद संक्रामक बैक्टीरिया बाहर निकल आते हैं। जिससे कि संक्रमण का खतरा काम हो जाता है।

कई समस्याओं में काढ़ा पीकर मिलेगा आराम

अगर आप बदलते मौसम में सर्दी, खांसी जैसी समस्याओं से परेशान नहीं होना चाहते हैं या फिर आप इन समस्याओं से जूझ रहे हैं तो तुलसी, अदरक, काली मिर्च को एक साथ मिलाकर काढ़ा बनाएं और पिएं। इसे पीने से संक्रमण का खतरा कम हो जाता है। और अगर आपको खांसी-जुकाम हो गया है तो इसे पीकर आराम मिल जाता है।

खराश से आराम दिलाएगा अदरक और शहद

अदरक का रस और शहद मिलाकर पीने से फ्लू के लक्षण पर नियंत्रण पाने में मदद करते हैं और जिन लोगों को गले की खराश है उन्हें आराम मिलता है। यह नुस्खा गले की खराश और सर्दी-खांसी से तुरंत आराम पाने के लिए बेस्ट है। इसमें शहद का इस्तेमाल किया जाता है जो इम्यूनिटी बढ़ाकर संक्रमण के खतरे को कम करता है।

होली के रंगों से दीवारों को बचाने के उपयोगी टिप्स

होली का त्योहार लगभग सभी का फेवरेट होता है। बच्चे तो बच्चे, होली पर बड़ों का भी एक अलग रूप को मिलता है। हर तरफ लाल, गुलाबी, नीले, पीले रंगों की जैसे बारिश सी हो जाती है। अब होली खेलने में तो खूब मजा आता है लेकिन जब बारी आती है इन रंगों को साफ करने कि तब सबके पसीने छूट जाते हैं। शरीर पर लगे रंग जैसे-तैसे कर के तब भी 3-4 दिन में छूट ही जाते हैं लेकिन दीवारों की सफाई करना काफी मुश्किल टास्क बन जाता है। दीवारों पर लगे होली के रंगों को साफ करना आसान नहीं होता। तो ऐसे में क्यों ना कुछ ऐसा किया जाए कि आप जम कर होली भी खेल लें और आपके घर की दीवारें होली के रंगों से भी बची रहें। चलिए आज इसी से जुड़ी कुछ कमाल की टिप्स जानते हैं।

एंटी-स्टेन वॉर्निश का करें इस्तेमाल

होली का त्योहार रंगों का ही त्योहार है, ऐसे में आप किसी को रंग खेलने या फैलाने के लिए तो मना नहीं कर सकते। अब लाख बचाव भी कर लें लेकिन घर की दीवारों पर भी रंग के छींटे पड़ ही जाते हैं। ऐसे में इन्हें साफ करने में आपको ज्यादा मशक्कत ना करनी पड़े, इसके लिए आप त्यौहार से पहले ही दीवारों पर एंटी-स्टेन वॉर्निश लगा दें। इससे दीवारों पर रंग लगने के बाद भी जिद्दी दाग नहीं पड़ेगा और ये आसानी से साफ भी हो जाएंगी।

दीवारों को दें खास पेंट

होली आने से पहले आप अपने घर की दीवारों पर पेंट भी करा सकते हैं। इससे आपका घर त्यौहार पर सुंदर भी लगेगा और साथ ही आपको दीवारें गंदी होने का भी डर नही सताएगा। घर की पुताई के लिए आप ईजी टू क्लीन वॉश पेंट का इस्तेमाल कर सकते हैं। दरअसल मार्केट में ऐसे कई तरह के पेंट अवेलेबल हैं, जिन पर जिद्दी से जिद्दी दाग पड़ जाने पर भी उन्हें आसानी से सिर्फ पानी की मदद से क्लीन किया जा सकता है। होली के मौके पर दीवारों को खराब होने से बचने के लिए ये पेंट सबसे बेस्ट रहेंगे।

प्लास्टिक शीट का करें इस्तेमाल

होली पर घर की दीवारों, खिड़की-दरवाजों और फर्नीचर को रंगों से बचाने में प्लास्टिक शीट आपकी काफी मदद कर सकती है। इसके लिए पतली-पतली प्लास्टिक शीट लें और उन्हे उस-उस जगह पर लगा दें, जहां रंगों के दाग लगने का खतरा ज्यादा होता है, जैसे घर का मेन डोर और सामने वाली दीवारें। आप अपने फर्नीचर पर भी प्लास्टिक शीट लगा सकती हैं। अब कोई कितना भी रंग इनपर गिरा दे, आपका कोई भी सामान गंदा नहीं होने वाला।

सिरके और नींबू से साफ करें दीवारों पर लगा रंग

लाख कोशिशों के बाद भी अगर दीवारों पर रंगों के दाग पड़ गए हैं, तो उन्हें रिमूव करने के लिए आप सिरके और नींबू की मदद ले सकते हैं। इसके लिए बस एक बड़े बर्तन में थोड़ा सा डिशवॉश लिक्विड लेकर इसमें पानी मिलाएं।

साथ ही इसमें आधा कप सफेद सिरका, एक नींबू का रस और तीन से चार चम्मच बेकिंग सोडा मिलाकर अच्छे से मिक्स कर दें। अब एक स्पॉन्ज की मदद से दीवारों पर लगे रंग के दाग को हल्के हाथों से रगड़ते हुए क्लीन करें। इस सॉल्यूशन से आपकी दीवारों पर लगे जिद्दी दाग रिमूव होने में काफी मदद मिलेगी।

राज्यपाल द्वारा गोद ग्राम टेमरी बना विकास का मॉडल जल जीवन मिशन से हर घर तक पहुंचा स्वच्छ पेयजल

बेमेतरा. छत्तीसगढ़ के राज्यपाल रमेन डेका द्वारा गोद लिए गए ग्राम टेमरी, विकासखण्ड नवागढ़, जिला बेमेतरा, निरंतर विकास की दिशा में नई मिसाल प्रस्तुत कर रहा है। लगभग 3794 की आबादी वाले इस ग्राम में शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जा रहा है, जिससे ग्रामीणों के जीवनस्तर में उल्लेखनीय सुधार देखने को मिल रहा है। ग्राम में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा लंबे समय से पेयजल आपूर्ति हेतु हैण्डपम्प एवं पावर पम्प के माध्यम से जल उपलब्ध कराया जाता रहा है। इसके साथ ही अब शासन की महत्वाकांक्षी योजना जल जीवन मिशन के अंतर्गत व्यापक अधोसंरचना विकास कार्य पूर्ण कर लिया गया है। योजना के तहत ग्राम में सुव्यवस्थित रूप से पाइपलाइन विस्तार, ओवरहेड टंकी निर्माण, तथा फंक्शनल हाउसहोल्ड टैप कनेक्शन प्रदान किए गए हैं। वर्तमान में ग्राम के कुल 382 घरों में नल कनेक्शन के माध्यम से नियमित एवं सुरक्षित पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित की जा रही है। जल जीवन मिशन के माध्यम से ग्रामीणों को निर्धारित मानकों के अनुरूप गुणवत्तायुक्त एवं स्वच्छ जल की उपलब्धता सुनिश्चित की जा रही है। जल परीक्षण, रख-रखाव एवं निगरानी की समुचित व्यवस्था के साथ योजना का संचालन किया जा रहा है, जिससे ग्रामीणों को वर्षभर सुचारू जलापूर्ति मिल सके। ग्रामवासी योजना का भरपूर लाभ उठा रहे हैं। विशेषकर महिलाओं को अब दूरस्थ स्रोतों से पानी लाने की आवश्यकता नहीं रह गई है, जिससे उनके समय और श्रम की बचत हो रही है। स्वच्छ जल उपलब्धता से स्वास्थ्य स्तर में सुधार तथा स्वच्छता के प्रति जागरूकता में भी वृद्धि हुई है। महामहिम राज्यपाल महोदय द्वारा ग्राम को गोद लिए जाने के पश्चात यहाँ विकास कार्यों में और अधिक गति आई है। प्रशासनिक सतर्कता, विभागीय समन्वय एवं जनभागीदारी के माध्यम से ग्राम टेमरी को आदर्श ग्राम के रूप में विकसित करने की दिशा में सतत प्रयास जारी हैं। ग्राम टेमरी आज समन्वित ग्रामीण विकास, आधारभूत संरचना सुदृढ़ीकरण और जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन का सशक्त उदाहरण बनकर उभर रहा है।

तहसील कार्यालय में लगी आग पर प्रशासन की टीम व दमकल टीम ने पाया काबू, दस्तावेज सुरक्षित

कलेक्टर ने निरीक्षण कर लिया जायजा

बलौदाबाजार। बलौदाबाजार स्थित पुराने तहसील कार्यालय के एक किनारे में शुक्रवार को तड़के करीब 4 बजे अचानक आग लग गईजिससे रिकॉर्ड रूम के कुछ हिस्से में आग फैल गई। आग पर काबू पाने प्रशासन व सीमेंट सयंत्र की दमकल टीम द्वारा मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पा लिया गया। दस्तावेजों को सुरक्षित निकाल लिया गया। कलेक्टर कुलदीप शर्मा ने मौके पर पहुंचकर घटना का जायजा लिया और अधिकारियो को जरुरी निर्देश दिये। कलेक्टर ने कहा कि जांच टीम गठित कर आग लगने के कारण की जांच कराएं। भवन ऐतिहासिक धरोहर है इसलिए इसको सुरक्षित रखना है। क्षतिग्रस्त हिस्से का मरम्मत कर पुनरोद्धार हेतु प्राक्कलन तैयार करने एवं तकनीकी व प्रशासकीय स्वीकृति प्राप्त करने के निर्देश दिये। इसके साथ ही जिला मुख्यालय एवं विकासखंड मुख्यालयों में स्थित पुराने शासकीय भवनों में विद्युत वायरिंग की जांच हेतु विद्युत विभाग के अधिकारियो की टीम गठित कर जांच कराने और प्रमाण पत्र देने के निर्देश दिये। बताया गया कि पुराने एसडीओपी कार्यालय की ओर से पहले आग लगी जो धीरे धीरे तहसील कार्यालय के रिकार्ड रूम, नायब तहसीलदार कोर्ट की ओर फैली। दमकल टीम द्वारा जल्द आग पर काबू पा लिया गया। यह तहसील भवन 1907 में करीब 851 वर्गमीटर क्षेत्र में निर्मित हुआ है। इस दौरान सीईओ जिला पंचायत दिव्या अग्रवाल, अपर कलेक्टर अवध राम टंडन, एसडीएम प्रकाश कोरी, तहसीलदार निवेश कोरी सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे।

प्रशांत होलसेल के मालिक ने लगाई फांसी, होली के रंगोत्सव के दिन परिवार में मातम

नागपुर में जारी था स्वप्निल जैन का उपचार

डोंगरगांव नगर। नगर के प्रतिष्ठित कपड़ा व्यवसायी एवं प्रशांत होलसेल के मालिक प्रशांत उर्फ स्वप्निल जैन ने 4 मार्च को होली के रंगोत्सव के दिन घर में फांसी लगाकर अपनी इहलीला समाप्त कर ली। प्रशांत द्वारा लोहे के चैन के सहारे फांसी में झूल जाने की बात बताई गई है। होली के रंगोत्सव दिन की घटना ने परिवार सहित नागरिकों को झकझोर कर रख दिया है। उल्लेखनीय है कि प्रशांत जैन नगर के युवा कपड़ा व्यापारी थे। परिवार में माता, पत्नी व 2 बच्चों के अलावा छोटे भाई सौरभ जैन के पत्नी व बच्चों का भरापूरा परिवार था। प्रशांत अपने छोटे भाई सौरभ जैन के साथ कपड़े का व्यापार करते रहे हैं। 6 माह पुर्व ही दोनों भाईयों ने अपने व्यापार को भव्यता देते हुए प्रशांत होलसेल प्रारंभ किया था। वे धार्मिक एवं सामाजिक गतिविधियों में बेहद अग्रणी रहते थे। फिलहाल युवा व्यवसायी की आत्महत्या का कारण अज्ञात है। करीबी मित्रों की माने तो प्रशांत हालिया दिनों कुछ मानसिक तनाव में होने से नागपुर से उपचाररत थे। तभी प्रशांत द्वारा होली के दरम्यान आत्महत्या का कदम उठा लेने से परिवार सदमे में है। अंत्येष्टि स्थानीय मुक्तिधाम में अपरान्ह 4 बजे किया गया। बहरहाल दुखद घटना से नगर में शोक व्याप्त है। पुलिस विवेचना जारी है।

एक दूसरे को लगा कर रंग गुलाल, मनाया सब मिलकर होली त्योहार

बेमेतरा। शहर सहित जिले के विभिन्न गांवो में होली का रंग त्योहार को हर्षोल्लास एवं दिल खोल कर मनाया गया है लोगों ने जी भर के रंग गुलाल खेले और एक दूसरे को बधाई देते हुए नगाड़े की थाप पर थिरकते रहे जिला मुख्यालय सहित गांव गाव में रंगो के त्यौहार के लिए तैयारी पहले से कर लिए थे और सुबह होते ही लोगों ने विभिन्न रंगों गुलाबों से एक दूसरे को सराबोर करते हुए बधाई देने का जो सिलसिला शुरू हुआ वह देर शाम तक के अविरल गति से चलता रहा इस दौरान जिला मुख्यालय के विभिन्न वार्डों के गलियों में लोगों ने अलग-अलग समूह में रंगो के त्यौहार को दिल खोल कर मनाया गया वही महिलाओं ने भी इस पर्व का समूह में एक दूसरे को रंग गुलाल लगाकर एक दूसरे को बधाई दिया बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाये जाने वाले यह त्यौहार सभी धर्म एवं संप्रदाय के लोगों को रंग गुलाल आत्मीयता के साथ लगाते हुए एक दूसरे को बधाई देते रहे इस पर्व में लोगों ने जहां अपने कि परिचित घर पहुंच कर बधाई दी वहीं शहर में विभिन्न गलियों में आने जाने वालों को भी प्रेम के साथ रंग गुलाल लगाकर पर्व का बधाई सहित शुभकामनाएं दे दिया गया होलिका दहन के दूसरे दिवस रंग पर्व तथा उसी दिन शाम को फाग गीत का आयोजन भी जिला मुख्यालय के विभिन्न क्षेत्रों होते रहा है खास तौर पर होली के त्यौहार पर युवा वर्ग के अलावा बच्चे ज्यादा उत्साहित थे होली त्योहार को देखते हुए पुलिस प्रशासन के द्वारा सतत गांव-गांव में पेट्रोलिंग कर शांतिपूर्वक होली त्यौहार मनाने की भी अपील की गई थी अंचल के सभी ग्रामीण जनो के द्वारा प्रशासन को सहयोग करते हुए होलिका दहन शांतिपूर्वक किया गया। इसके साथ ही बेमेतरा विधानसभा क्षेत्र के विधायक दीपेश साहू के द्वारा भी होली मिलन का कार्यक्रम रखा गया था जहां पर लोगों ने पहुंचकर दीपेश साहू को रंग गुलाल के होली की बधाई दी। वहीं पूर्व विधायक आशीष छाबड़ा के यहां भी होली मिलन का कार्यक्रम आयोजित किया गया था वहां भी होली मिलन के शुभकामनाएं बधाई एक दूसरे को देते रहे। होली के दूसरे दिन पुलिस विभाग के द्वारा रक्षित आरक्षित केन्द्र में पुलिस अधीक्षक रामकृष्ण सहू की उपस्थिति में होली मिलन का कार्यक्रम रखा गया था जहां विभिन्न अधिकारियों तथा पत्रकार साथी भी वहां होली मिलन समारोह में एक दूसरे गुलाल लगा कर शुभकामनाएं और बधाई दी गई।

अवैध शराब बेचने व असामाजिक तत्वों पर सख्त कार्यवाही

गुंडा बदमाशों, निगरानी बदमाशों पर प्रतिबंधात्मक कार्यवाही एवं फ्लैग मार्च का बड़ा असर

बेमेतरा। होली पर्व के मद्देनजर जिले में शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस उप महानिरीक्षक रामकृष्ण साहू के निर्देशन में बेमेतरा पुलिस पूरी तरह मुस्तैद रही। शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों तक चौक-चौराहों पर फिक्स प्वाइंट और पेट्रोलिंग के माध्यम से पुलिस की कड़ी निगरानी रही, जिसके चलते जिले में होली का त्योहार शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक हरीश कुमार यादव, डीएसपी राजेश कुमार झा, एसडीओपी बेरला विनय कुमार, एसडीओपी बेमेतरा भूषण एक्का, डीएसपी कौशिल्या साहू, डीएसपी शशीकला उईके तथा रक्षित निरीक्षक प्रवीण खलखो सहित जिले के साइबर सेल प्रभारी, सभी थाना व चौकी प्रभारियों के नेतृत्व में बड़ी संख्या में पुलिस अधिकारी और जवान शहर व ग्रामीण अंचलों में तैनात रहे। अधिकारी भी लगातार जवानों के साथ पेट्रोलिंग करते हुए सुरक्षा व्यवस्था की निगरानी करते रहे। होली के दौरान शहर में कड़े सुरक्षा बंदोबस्त किए गए। प्रमुख चौक-चौराहों पर ट्रैफिक पुलिस द्वारा वाहनों की जांच की गई। शराब पीकर वाहन चलाने, लापरवाहीपूर्वक ड्राइविंग करने, तीन सवारी चलने, डरावने मास्क लगाकर घूमने तथा तेज रफ्तार से वाहन चलाने वालों पर विशेष नजर रखी गई। होली से पहले बेमेतरा पुलिस द्वारा असामाजिक तत्वों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई भी की गई। जिले के विभिन्न थाना और चौकी क्षेत्रों में अवैध शराब बेचने व पिलाने के मामले में 111 आरोपियों के विरुद्ध आबकारी एक्ट के तहत कार्रवाई की गई, जबकि माइनर एक्ट के तहत 234 व्यक्तियों के खिलाफ प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की गई। इसके अलावा गुंडा बदमाशों, निगरानी बदमाशों और उभरते अपराधियों की चेकिंग की गई तथा जिलेभर में फ्लैग मार्च निकालकर कानून का संदेश दिया गया। पुलिस की सख्ती और सतर्कता के बीच जिले में होली का पर्व बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। लोगों ने एक-दूसरे को रंग-गुलाल लगाकर ढोल-नगाड़ों की धुन पर नाचते-गाते हुए होली की शुभकामनाएं दीं। बेमेतरा पुलिस की सतत पेट्रोलिंग और निगरानी के चलते जिले में आमजन ने उत्साह, खुशी और शांतिपूर्ण वातावरण में होली का पर्व मनाया।

मुक्तिधाम निर्माण के लिए 36.84 लाख स्वीकृत नगरीय प्रशासन मंत्री अरुण साव ने दी स्वीकृति

नगर पंचायत परिवार ने जताया मंत्री का आभार

डोंगरगांव नगर। नगर में मुक्तिधाम निर्माण एवं सुविधा संसाधन हेतु नगरीय प्रशासन विभाग से 36 लाख की स्वीकृति प्रदान की गई है। उक्त स्वीकृति राज्य शहरी विकास अभिकरण छत्तीसगढ़ सूडा द्वारा मुक्तिधाम योजना के अंतर्गत प्रदान की गई है। उक्त स्वीकृति के उपरांत नगर के वार्ड 3 में सुव्यवस्थित मुक्तिधाम निर्माण किया जायेगा। उल्लेखनीय है कि नगर में लंबे समय से सुव्यवस्थित मुक्तिधाम की आवश्यकता महसूस की जा रही थी। अंतिम संस्कार के दौरान नागरिकों को पर्याप्त सुविधाएं उपलब्ध नहीं हो पाने से कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। अब स्वीकृति प्राप्त होने से मुक्तिधाम निर्माण के तहत शेड, पेयजल व्यवस्था, बैठने की सुविधा एवं अन्य आवश्यक मूलभूत अधोसंरचना विकसित की जाएगी, जिससे नागरिकों को अंतिम संस्कार जैसी संवेदनशील प्रक्रिया के दौरान सम्मानजनक एवं व्यवस्थित सुविधा मिल सकेगी। विज्ञप्ति मुताबिक

सुव्यवस्थित मुक्तिधाम हेतु नगर पंचायत अध्यक्ष के सतत् प्रयासों के बाद निकाय द्वारा प्रस्ताव तैयार कर शासन को भेजा गया था, जिस पर गंभीरता से विचार करते हुए स्वीकृति प्रदान की गई। नपंअध्यक्ष अंजू त्रिपाठी सहित निकाय परिवार ने स्वीकृति के लिए नगरीय प्रशासन मंत्री अरुण साव का आभार व्यक्त किया है।

उड़नदस्ता दल द्वारा किया गया विभिन्न परीक्षा केंद्रों का औचक निरीक्षण

दल्लीराजहरा। छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल रायपुर द्वारा आयोजित कक्षा 12वीं के मुख्य परीक्षा 2026 अंतर्गत 02 मार्च को जिला स्तरीय उड़नदस्ता दल द्वारा विभिन्न परीक्षा केंद्रों का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान परीक्षा केंद्र शासकीय उच्चतर माध्यमिक सरस्वती शिशु मंदिर दल्ली राजहरा, सेजेस नया बाजार दल्ली राजहरा, सेजेस खलारी एवं शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय गुजरा का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। कक्षा 12वीं का गणित विषय का प्रश्नपत्र आयोजित किया गया था। निरीक्षण के दौरान किसी भी परीक्षा केंद्र में नकल का कोई प्रकरण नहीं पाया गया। सभी केंद्रों में परीक्षा शांतिपूर्ण, सुव्यवस्थित एवं सुचारू रूप से संचालित होती पाई गई। जिला स्तरीय उड़नदस्ता दल में जिला शिक्षा अधिकारी मधुलिका तिवारी, सहायक परियोजना समन्वयक जिला परियोजना कार्यालय लेख राम साहू, जिला खेल समन्वयक सपन जेना, व्यायाम शिक्षक सुरेश शांडिल्य एवं आदिला खान शामिल रहे।

पीजी कॉलेज में पद्मश्री डॉ सुरेंद्र दुबे की स्मृति में कवि सम्मेलन और गज़ल संध्या का आयोजन

बेमेतरा। जिले के शासकीय पीजी कॉलेज बेमेतरा में होली के अवसर पर पद्मश्री डॉ सुरेंद्र दुबे की स्मृति में गजल संध्या और कवि सम्मेलन आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में नगर पालिका के अध्यक्ष विजय सिन्हा जी उपस्थित हुए ।उन्होंने डॉ सुरेंद्र दुबे को याद करते हुए कहा कि बेमेतरा को विश्व स्तर में पहचान दिलाने में कवि डॉ सुरेंद्र दुबे जी विशेष स्थान है। अतिथियों में संजय दुबे पारिवारिक सदस्य के रूप में शामिल हुए उन्होंने डॉ सुरेंद्र दुबे जी याद करते हुए नमन किया साथ ही घनश्याम साहू डिप्टी सेक्रेटरी मंत्रालय रायपुर ने भी डॉ सुरेंद्र दुबे को याद करते हुए उनके कार्यों पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर गजल गायक के नूतन प्रभात जी द्वारा प्रस्तुत गजल ने सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। दोपहर के बाद कवि सम्मेलन में रामानंद त्रिपाठी बेमेतरा, गोकुल बंजारे बेमेतरा, ईश्वर साहू साजा, हृदय राम वर्मा बेरला, राजेश चौहान रायपुर, जगदीश सोनी बेरला, मनोज पाटिल गीतकार बेमेतरा,राजीव मधुकर नवागढ़, मनीष वर्मा नवागढ़, भोला राम साहू शायर बेमेतरा, उषा डहरे गीतकार बेमेतरा, घनश्याम साहू, डॉ डोंशन साहू साजा, जितेंद्र बारले ने अपने कविताओं और गीतों के माध्यम से सभी को भाव विभोर कर दिया। इस कार्यक्रम मे महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ वीणा त्रिपाठी के साथ डी आर साहू, एम एफ खान, डॉ डी द्विवेदी, ज्योति गेंदले, डॉ आर के त्रिपाठी, नर्मदा, सृष्टि तिवारी, राजकुमार वर्मा डी एम सी, राजेश शर्मा, और छात्र छात्राएं उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन प्रोफेसर जितेंद्र बारले ने किया। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं में साहित्य और संगीत के प्रति रुचि पैदा करना था।

राजहरा के निकट रेलवे ओवर ब्रिज के समीप मानपुर चौक में बड़ा हादसा होते-होते टल गया

दल्लीराजहरा। राजहरा के निकट रेलवे ओवर ब्रिज के समीप मानपुर चौक में गुरुवार तड़के एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया, जब सड़क किनारे खड़ी एक ट्रक अचानक चल पड़ी और कुछ ही दूरी पर जाकर गड्ढे में घुस गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार ट्रक क्रमांक सीजी 19 बीक्यू 9505 दल्ली की ओर आने के लिए सड़क किनारे खड़ी थी। 4 मार्च की रात करीब 2 बजे के आसपास चालक ट्रक के आसपास ही मौजूद था। इसी दौरान ट्रक आइडल स्थिति में होने के कारण धीरे-धीरे आगे बढ़ने लगी। ट्रक को अचानक चलते देख चालक उसके पीछे भागकर उसे रोकने का प्रयास करता रहा, लेकिन तब तक ट्रक मानपुर चौक के पास कमला हॉस्पिटल के बाजू में स्थित भागवत घर के पास जाकर गड्ढे में घुस गई। गनीमत रही कि इस घटना में कोई जनहानि नहीं हुई और न ही कोई घायल हुआ, जिससे एक बड़ा हादसा टल गया। उल्लेखनीय है कि दो-तीन दिन पहले भी पथराटोला में ट्रक चालक को झपकी आने से ट्रक एक दुकान में जा घुसी थी। लगातार हो रही ऐसी घटनाओं से क्षेत्र के नागरिकों में भय का माहौल बनने लगा है और लोग अब अपने घरों में भी खुद को पूरी तरह सुरक्षित महसूस नहीं कर रहे हैं। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि लंबे समय से दल्ली राजहरा के लिए बायपास रोड की मांग की जा रही है।

राजहरा-कुसुमकसा मार्ग के ग्राम पथराटोला के गौठान में फेसिंग तार की चोरी

दल्लीराजहरा। राजहरा-कुसुमकसा मार्ग के ग्राम पथराटोला के गौठान में चोरी की सनसनीखेज घटना सामने आई है। कुछ अज्ञात युवक महिंद्रा बोलेरो में फेसिंग जाली एवं सीट पाइप लोड कर ले जा रहे थे, तभी ग्रामीणों की सतर्कता से उनकी योजना विफल हो गई। हालांकि गाड़ी सवार युवक एवं चालक अंधेरे का फायदा उठाकर मौके से फरार हो गए। ग्रामीणों के अनुसार बोलेरो क्रमांक सीजी 17 डी 1382 में चोरी की सामग्री भरी हुई थी। शक होने पर ग्रामीणों ने घेराबंदी कर वाहन को पकड़ लिया और तत्काल पुलिस को सूचना दी।

बाद में वाहन को पुलिस के हवाले कर दिया गया। सबसे अधिक आक्रोश इस बात को लेकर है कि =एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत लगाए गए पेड़ की सुरक्षा के लिए लगाई गई लोहे की जाली का बाड़ भी नहीं छोड़ा गया। ग्रामीणों का कहना है कि यह केवल चोरी नहीं, बल्कि भावनाओं से जुड़ी पहल को ठेस पहुंचाने जैसा कृत्य है।ग्रामीणों ने यह भी बताया कि गौठान की एक ओर की जालियां पहले भी चोरी हो चुकी हैं। संभावना जताई जा रही है कि पूर्व की घटना में भी इन्हीं व्यक्तियों का हाथ हो सकता है। सूत्रों के अनुसार वाहन और युवक बिटाल क्षेत्र के बताए जा रहे हैं। कुछ युवकों को सुबह समझौता करने के प्रयास में गांव के आसपास भटकते हुए भी देखा गया। महत्वपूर्ण तथ्य यह है कि पूरी घटना एक

ग्रामीण के घर में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। फुटेज में बोलेरो वाहन और संदिग्ध गतिविधियां स्पष्ट दिखाई दे रही हैं। पुलिस अब फुटेज के आधार पर आरोपियों की पहचान कर उनकी तलाश में जुटी हुई है। फिलहाल पुलिस ने वाहन जब्त कर जांच शुरू कर दी है। ग्रामीणों में घटना को लेकर आक्रोश व्याप्त है और वे आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी की मांग कर रहे हैं।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र दुर्ग होगा। Email : loktantraprahrinews@gmail.com